• जयपुर, शनिवार, 12 अक्टूबर 24 • वर्ष 14 • अंक 57 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

चमकता राजस्थान

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

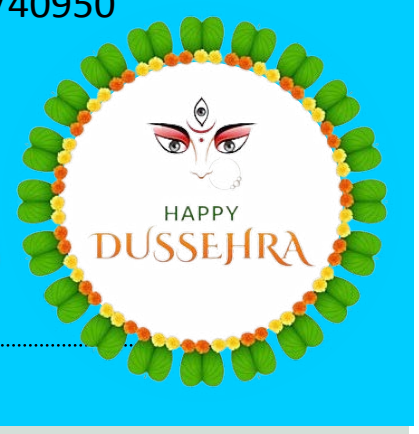

पेज @3 मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किया आरबीएम...

पेज @4 लाडो प्रोत्साहन जैसी योजनाओं से होगा बालिका सशक्तिकरणः महिला एवं बाल...

पेज @8 उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के उचित प्रबंधन एवं...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

शुभकामना

विजयादशमी के शुभ अवसर पर सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं एवं बंधुओं को 'चमकता राजस्थान' परिवार की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

● संपादक

सूचना

विजयादशमी के शुभ अवसर पर 'चमकता राजस्थान' कार्यालय एवं प्रेस 12 अक्टूबर को बंद रहेंगे। अतः पाठकों को अगला अंक सोमवार 14 अक्टूबर को मिलेगा।

● व्यवस्थापक

न्यूज अपडेट

महादेव बेटिंग ऐप का मालिक सौरभ चंद्राकर दुबई में गिरफ्तार, जल्द लाया जाएगा भारत

नई दिल्ली/एजेंसी। महादेव बेटिंग ऐप केस में भारत की जांच एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। बेटिंग ऐप के मालिक सौरभ चंद्राक र को इंटरपोल ने दुबई में डिटेन कर लिया है, जिसके बाद उसे भारत वापस लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम महादेव ऐप के मालिक सौरभ चंद्राकर को एक हफ्ते के अंदर भारत लेकर आ सकती है।

बताया जा रहा है कि इंटरपोल ने सीबीआई को सूचित किया है, जो नोडल एजेंसी है। बता दें कि इस मामले में ईडी ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। बता दें कि महादेव ऐप के मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर का ष्ठ कंपनी (दाऊद इब्राहिम) से भी कनेक्शन है। देश के कई राज्यों में महादेव ऐप के खिलाफ केस दर्ज है। बता दें कि इससे पहले दिसंबर 2023 को भी सौरभ चंद्राकर को दुबई में हिरासत में लेने के बाद 'घर में नजरबंद' किया गया था।

केंद्र सरकार ने 5 नवंबर 2023 को महादेव बेटिंग ऐप समेत अवैध सट्टेबाजी वाले 22 ऐप और वेबसाइटों को ब्लॉक करने का आदेश दिया था। श्वष्ठ की सिफारिशों के बाद इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी अधिनियम की धारा 69ए के तहत आदेश जारी किए गए थे। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामला तब सुर्खियों में आया था, जब ईडी ने दावा किया कि उसने एक 'कैश कूरियर' के ईमेल स्टेटमेंट को रिकॉर्ड किया है, जिसमें खुलासा हुआ है कि छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यूएई में स्थित ऐप प्रमोटरों से कथित तौर पर 508 करोड़ रुपये लिए थे। हालांकि, बघेल ने आरोपों को खारिज किया था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने नवरात्रि में मां सिद्धिदात्री को किया प्रणाम

नई दिल्ली/एजेंसी।

नवरात्रि के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की उपासना की जाती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मां सिद्धिदात्री की प्रार्थना की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर मां सिद्धिदात्री को नमन करते हुए उनके आशीर्वाद की कामना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर मां सिद्धिदात्री की स्तुति करते हुए लिखा, नवरात्रि में मां सिद्धिदात्री को कोटि-कोटि नमन। उनकी कृपा से सभी उपासकों को लक्ष्य-सिद्धि का आशीर्वाद मिले। मां सिद्धिदात्री की यह स्तुति आप सभी के लिए...

वहीं, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, सिद्ध गन्धर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि। सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी॥ जगज्जननी मां दुर्गा की नवम स्वरूप, सर्वसिद्धियां प्रदान करने वाली मां सिद्धिदात्री से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा संपूर्ण सृष्टि पर बनी रहे। हर घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो। जय मां सिद्धिदात्री!

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी देवी पर्व की शुभेच्छा एक्स पर दी। लिखा, महानवमी के पावन पर्व की अनंत शुभकामनाएं। मां सिद्धिदात्री से सभी की उन्नति, समृद्धि और समस्त मनोकामनाओं की सिद्धि की प्रार्थना करता हूं।

मां सिद्धिदात्री देवी दुर्गा के नौ रूपों में से एक हैं, जो विशेष रूप से सिद्धि, सुख, और सफलता की देवी मानी जाती हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है, और नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। इस दिन भक्तजन मां से अपनी इच्छाओं की पूर्ति और लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक्स पर लिखा, ? देवी सिद्धिदात्र्यै नमः॥ समस्त देशवासियों को महानवमी के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। नवरात्रि के नौवें दिन आज मां सिद्धिदात्री के चरणों में नमन। मां आप सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और लोकसभा सांसद संबित पात्रा ने अपनी आवाज में देवी स्तुति का क्लिप पोस्ट किया। एक्स पर लिखा,आप सभी को पावन पर्व महानवमी की हार्दिक बधाई बधाई एवं शुभकामनाएं। नवरात्रि के नौवें दिन आज मां सिद्धिदात्री पूजन के साथ ही नौ दिनों का यह महापर्व पूर्ण हो रहा है। सर्वसिद्धियां प्रदान करने वाली माता सबकी मनोकामनाएं पूरी करें, यही प्रार्थना है।

छावनी में तब्दील हुआ अखिलेश का घर, आरएएफ तैनात, पुलिस ने जेपी सेंटर भी किया सील

नई दिल्ली/एजेंसी।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव को लखनऊ स्थित जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर जाने से रोके जाने को लेकर घमासान तेज हो गया है। गुरुवार को ही जेपी सेंटर के गेट पर टिन शेड लगा दिया गया था। शुक्रवार सुबह से अखिलेश यादव के बाहर बैरिकेडिंग और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दूसरी ओर, सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर एक बार फिर लखनऊ में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। अखिलेश यादव जेपी सेंटर में श्रद्धांजलि के लिए अड़े हुए हैं। सरकार ने उनके कैंपस में जाने पर रोक लगाई है। जेपी सेंटर के गेट पर टीन की बड़ी दीवार लगा दी गई। अखिलेश यादव ने ऐलान किया है कि वो 10 बजे जेपीएनसी में जाकर जेपी की प्रतिमा का माल्यार्पण करेंगे। अखिलेश के ऐलान को देखते हुए लखनऊ पुलिस ने जेपीएनसी पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। अखिलेश यादव के घर के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर ट्रैफिक को बंद कर दिया गया है, अखिलेश यादव की सुरक्षा में तनाव पुलिस फोर्स के अलावा किसी के भी आने जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। सपा अध्यक्ष के आवास की तरफ जाने वाले दोनों तरफ के रास्तों पर पुलिस ने करीब 200 मीटर पर ही बैरिकेडिंग लगाई है।

यूपी में इन बच्चों की संख्या 5 लाख से ज्यादा, इंडिया ने 2023-24 का जारी किया डेटा

बाल विवाह के खतरे में देश के 11 लाख बच्चे

एजेंसी

सांस्कृतिक प्रथाओं के चलते बाल विवाह को खत्म करना मुश्किल

नई दिल्ली : नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (एनसीपीसीआर) ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जार कर कहा कि उसने साल 2023-24 में ऐसे 11 लाख बच्चों की पहचान की है, जो बाल विवाह के खतरे में थे। कमीशन के मुताबिक अकेले उत्तर प्रदेश में ऐसे 5 लाख से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जो बाल विवाह के खतरे में हैं। एनसीपीसीआर ने बताया कि उसने बाल विवाह रोकने वाले अधिकारियों, जिला प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत कई कदम उठाए हैं। कमीशन ने कहा- फैमिली काउंसिलिंग, स्कूल में बच्चों का दोबारा दाखिला कराकर और कानूनी एजेंसियों की मदद लेकर बच्चों की शादी को रोकने की कोशिश की जा रही है। यह रिपोर्ट वर्चुअल रिव्यू मीटिंग्स के बाद तैयार की गई, जिसमें जिला अधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत की गई। रिपोर्ट में ऐसे बच्चों का डेटा पेश किया गया, जिनके स्कूल छोड़ने का खतरा था। स्कूल छोड़ना बाल विवाह में योगदान देने वाली एक बड़ी वजह है। इसे मुद्दे को लेकर उत्तर प्रदेश सबसे सक्रिय रहा, उसके बाद मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई। कमीशन के मुताबिक बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में 1.2 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को जागरूकता अभियान में जोड़ा गया। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सबसे आगे रहे। कमीशन ने लगातार 30 दिन तक स्कूलों पर नजर रखी और ये देखा कि कौन से बच्चे बिना बताए ज्यादा गैरहाजिर रहते हैं। साथ ही कमीशन ने स्कूल अथॉरिटीज से बातचीत करके बच्चों के स्कूल छोड़ने पर भी नजर रखी। कमीशन के अधिकारियों ने कर्नाटक और असम जैसे राज्यों में धार्मिक नेताओं, विवाह समारोहों में सेवा प्रदान करने वाले लोगों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे प्रमुख स्थानीय व्यक्तियों के साथ 40,000 से ज्यादा बैठकें कीं, ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके और नाबालिग बच्चों का विवाह रोका जा सके।

एनसीपीसीआर की रिपोर्ट में बताया गया कि इन कोशिशों के बावजूद गोवा और लद्दाख जैसे कुछ राज्यों में डेटा कलेक्शन और कानून का पालन करवाने में में कमियां रहीं। इसके चलते सारी जानकारी जुटाने में परेशानी हुई।

रिपोर्ट ने यह भी कहा कि कुछ जिलों में बाल विवाह की गहराई से जमी हुई सांस्कृतिक प्रथाओं के कारण इसे पूरी तरह से खत्म करना मुश्किल हो रहा है। एनसीपीसीआर अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक लेटर लिखकर बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से अपील की कि बाल विवाह रोकने के लिए जिला लेवल की कोशिशों को लागू करें। रिपोर्ट के साथ भेजी गई चिट्ठी में उन्होंने खासतौर से जागरूकता बढ़ाने और मौजूदा कानूनों

किसानों का बड़ा ऐलान, 13 अक्टूबर को पूरे पंजाब में की सड़कों को बंद करने की घोषणा

चंडीगढ़/एजेंसी। यूनाइटेड किसान मोर्चा ने 13 अक्टूबर को पूरे पंजाब में सड×कों को बंद करने की घोषणा की है। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने ऐलान किया कि 13 अक्टूबर को पंजाब की सड़कों को 3 घंटे के लिए जाम किया जाएगा। चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने कहा कि यह पहली बार है जब खरीद शुरू नहीं हुई है, इसलिए पंजाब और दिल्ली दोनों सरकारें दोषी हैं। किसान नेता ने कहा कि यदि सरकार ने पंजाब से धान नहीं हटाया, तो पंजाब बर्बाद हो जाएगा। जिसको लेकर हम 13 तारीख को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक पंजाब में सड×क यातायात बंद रखेंगे, और 14 को किसान भवन में सभी संगठनों के साथ एक संयुक्त बैठक कर सरकार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। किसान नेता ने कहा कि हमारे गोदामों में अभी भी धान पड़ा है, जिसके लिए हम सरकार को चेतावनी देते हैं कि वह सभी गोदामों को जल्दी खाली करवाए, क्योंकि पंजाब का भविष्य बचाना है। यह निर्णय संगठनों ने मिलकर लिया है, क्योंकि यह समस्या सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि पूरे पंजाब की है। उन्होंने कहा कि कई लोगों से धान कम कीमत पर खरीदा जा रहा है। राजेवाल ने कहा कि आज हमें एकजुट होकर लडना होगा। इसलिए हम 13 अक्टूबर को पूरे पंजाब में 3 घंटे के लिए यातायात ठप करके सरकार को चेतावनी दे रहे हैं।

नोएल टाटा चुने गए टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन

मुंबई/एजेंसी

नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरमैन चुन लिया गया है. रतन टाटा के निधन के बाद उनका उत्तराधिकारी चुनने के लिए टाटा ट्रस्ट की बोर्ड की बैठक आज हुई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरमैन चुन लिया गया है. टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का 9 अक्टूबर को देर रात निधन हो गया था. मुंबई में चल रही टाटा ट्रस्ट के बोर्ड की बैठक के जरिए ही नया चेयरमैन चुना गया. ट्रस्ट का चेयरमैन नियुक्त करने के लिए ट्रस्ट डीड में स्पष्ट गाइडलाइंस दी गई हैं.

नोएल टाटा मौजूदा समय में टाटा ग्रुप की कंपनियों टाटा स्टील और टाइटन में वाइस-चेयरमैन के पद पर तैनात हैं. उन्होंने 2000 की शुरुआत में टाटा ग्रुप में काम करना शुरू किया था. इस साल की शुरुआत में नोएल टाटा के तीन बच्चों- लिआ, माया और नेविल - को सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट से जुड़े कई ट्रस्टों में ट्रस्टी के रूप में नियुक्त किया गया था. लिआ वर्तमान में द इंडियन होटल्स में उपाध्यक्ष हैं, जबकि माया टाटा कैपिटल से जुड़ी हैं. नेविल ट्रेंट और स्टार बाजार की लीडरशीप टीम में शामिल हैं. टाटा ट्रस्ट एक प्रमुख निकाय है जो सभी 14 टाटा ट्रस्टों के कार्यों का प्रबंधन करता है. टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यह भारत के सबसे बड़े कारोबारी समूह को मार्गदर्शन देने का काम करता है.

टाटा संस का स्वामित्व बड़े पैमाने पर टाटा ट्रस्ट के तहत आने वाले दो प्रमुख ट्रस्टों- सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के पास है, जिनके पास कुल मिलाकर टाटा संस में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी हैं.

झारखंड में ठप पड़ सकते हैं हजारों स्कूल, 60 हजार सहायक शिक्षक 15 अक्टूबर से हड़ताल पर जाएंगे

रांची/एजेंसी। झारखंड में 60 हजार से अधिक सहायक शिक्षक (पारा शिक्षक) 15 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। झारखंड राज्य सहायक शिक्षक एक्शन कमेटी ने मुख्यमंत्री और राज्य के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग को लिखित तौर पर अपने इस फैसले की जानकारी दे दी है।

सहायक शिक्षकों की हड़ताल से राज्य में हजारों सरकारी स्कूलों में पठन-पाठन ठप हो सकता है। राज्य में आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका की 5 अक्टूबर से जारी हड़ताल के कारण 38 हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी केंद्र पहले से ही ठप पड़े हैं।

सहायक शिक्षकों का कहना है कि राज्य सरकार ने वेतन और ईपीएफ को लेकर पूर्व में किए गए समझौते को लटकाकर रखा है। इस मामले में 28 अगस्त को राज्य सरकार के साथ वार्ता हुई थी। राज्य सरकार ने सहायक शिक्षकों को वेतन के समकक्ष मानदेय और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का लाभ देने का आश्वासन दिया था।

एक्शन कमेटी का आरोप है कि यह समझौता अब तक राज्य कैबिनेट में पारित नहीं हुआ, जिसके कारण उन्हें हड़ताल पर जाने का निर्णय लेना पड़ा है। सहायक शिक्षक एक्शन कमेटी के प्रतिनिधि सिद्दीक शेख ने हड़ताल से पहले आंदोलनात्मक कार्यक्रम की घोषणा की है। सहायक शिक्षक हड़ताल से एक दिन पहले 14 अक्टूबर को वित्त मंत्री, शिक्षा मंत्री और सत्तारूढ़ विधायकों की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालेंगे। 15 अक्टूबर से हड़ताल शुरू होने के बाद, 17 अक्टूबर को सभी हड़ताली शिक्षक रांची में मुख्यमंत्री के आवास का अनिश्चितकालीन घेराव करेंगे। आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए आंदोलनकारी शिक्षकों ने झारखंड दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सत्ताधारी दलों के अन्य नेताओं को काले झंडे दिखाने का भी ऐलान किया है।

हरियाणा में जीतते जीतते क्यो हार गई कांग्रेस..!

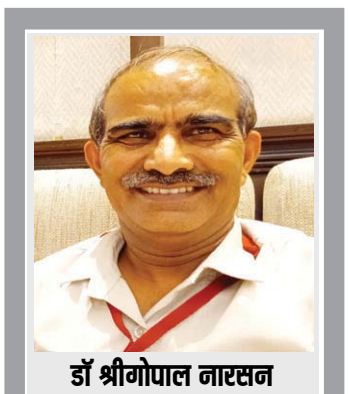

डॉ श्रीगोपाल नारसन

कांग्रेस पार्टी के भीतर गुटबाजी ने कार्यकताओं तक को एक दूसरे से दूर रखा । इस गुटबाजी को साफ तौर पर देखा भी गया है।कांग्रेस पार्टी के तीन वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों में एक राय न होना , तीनों ही नेताओं के कार्यकर्ता अपने अपने नेताओं को सीएम पद की दौड़ में सबसे आगे देखने की होड़ के चलते यह लुटिया डूबी है।

हरियाणा के चुनाव परिणाम और रुझानों ने एक बार फिर एग्जिट पोल को झूठा साबित कर दिया है ।यहां बीजेपी लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है। अभी तक के रुझानों के हिसाब से बीजेपी पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है। हरियाणा को लेकर जारी एग्जिट पोल पर खुशी मनाते कांग्रेस के कार्यकताओं के लिए मतगणना का दिन अच्छा नहीं रहा। जम्मू कश्मीर के चुनाव परिणाम भी कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत ज्यादा खुशी लेकर नहीं आए हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हो रही है।यहां उमर अब्दुल्ला को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।भाजपा यहां मजबूत विपक्ष के रूप में उभरी है।कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर के चुनाव में जम्मू क्षेत्र में यदि अच्छा प्रदर्शन करती तो शायद यह पार्टी और उसके भविष्य के साथ साथ गठबंधन की सरकार को मजबूती प्रदान करता ,लेकिन परिणाम उसके उलट ही रहे है।हार के कारणों को गिने तो 10 सालों से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता कुछ शिथिल पड़ गए हैं। पार्टी ने चुनाव के लिए देर से कमर कसती है। 10 सालों में राज्य में कांग्रेस पार्टी बीजेपी सरकार की कमी और लोगों के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठा नही पाई। लोकसभा चुनाव में हालांकि कांग्रेस ने बेहतर परिणाम दिए थे और हरियाणा राज्य की 10 में से 5 सीटों पर जीत दर्ज की थी।कांग्रेस पार्टी के भीतर गुटबाजी ने कार्यकताओं तक को एक दूसरे से दूर रखा । इस गुटबाजी को साफ तौर पर देखा भी गया है।कांग्रेस पार्टी के तीन वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों में एक राय न होना , तीनों ही नेताओं के कार्यकर्ता अपने अपने नेताओं को सीएम पद की दौड़ में सबसे आगे देखने की होड़ के चलते यह लुटिया डूबी है। रणदीप सुरजेवाला की ओर से भले ही कोई बयान न आया हो, लेकिन हरियाणा राज्य की कांग्रेस पार्टी की राजनीति में वह भी एक धुरी बन गए थे. वहीं, भूपिंदर सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच की कड़वाहट सार्वजनिक मंचों पर देखने को मिल रही थी। दोनों ही नेताओं की सीएम बनने की इच्छा उनके ही बयानों से सामने आ रही थी। उक्त दोनों ही नेता पार्टी आलाकमान पर नेता चुनने की बात कह रहे थे लेकिन अपनी बात भी स्पष्ट रख रहे थे।पार्टी का सीएम पद का

ऐलान न करना भी नुकसान देह रहा है। यदि पार्टी पहले से ही सीएम पद का ऐलान कर देती तो यह गुटबाजी देखने को नहीं मिलती। कार्यकताओं में जोश बराबर रहता और सभी एक नेता के नाम के साथ जनता के बीच जा सकते थे। जनता के मन में भी किसी प्रकार का कोई संशय नहीं होता। लेकिन कांग्रेस पार्टी अपने नेताओं की अंतर्कलह को अंत तक सुलझाने में कामयाब नहीं हो पाए। हालात कितने खराब थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एग्जिट पोल के बाद से ही अपनी-अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने में लगे रहे, यहां तक की आज मतगणना के दिन भी मीडिया को दिए बयानों में कांग्रेस के सीएम पद के दावेदार अपनी कुर्सी पक्की मानकर चल रहे थे।भूपिंदर सिंह हुड्डा तो दिल्ली का दौरा भी कर गए।दलित समाज के वोटों का सरकना भी कांग्रेस हार का एक कारण रहा। लोकसभा चुनाव में जाट और दलित वोटों ने कांग्रेस पार्टी का बेड़ा पार किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में दलित वोट एक बार फिर छटक कर बीजेपी के पाले में चला गया था। राज्य में जाटों का वोट प्रतिशत करीब 22 प्रतिशत है, जबकि 20 प्रतिशत दलित वोट हैं। दलितों का वोट पार्टी से जाना कांग्रेस के लिए एक सदमा दे गया। राज्य में ओबीसी वोट और दलित वोट इस बार फिर बीजेपी के पक्ष में चला गया है। साथ ही कांग्रेस पार्टी का पूरा जोर जाट वोट पर था ,जिसका खामियाजा पार्टी अब हार के रूप में भुगत रही है। राज्य में इंडी अलायंस न बन पाने के कारण इंडी अलायंस के दो दल कांग्रेस से नाराज हो गए। राज्य में आम आदमी पार्टी कांग्रेस पार्टी से 90 सीटों में से 10 सीटों की मांग कर रही थी जबकि समाजवादी पार्टी भी राज्य में 2 सीटों को चाह रही थी। लेकिन अंतिम समय तक इन दलों में सहमति नहीं बन पाई। आम आदमी पार्टी ने नाराजगी में अपने 29 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी ,हालांकि उसे भी शून्य पर सिमटना पड़ा है।आम आदमी पार्टी केवल 4 सीटों पर कुछ असर डाल रही थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस की अच्छे परफॉर्मेंस वाली सीटों की मांग कर रही थी। ऐसे में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं भूपिंदर सिंह हुड्डा, रणदीप सुरजेवाला ने गठबंधन के विरोध में अपनी राय व्यक्त की थी। पार्टी की ओर इस कार्य के लिए तैनात किए गए नेता अजय माकन ने दोनों की बात को स्वीकारा और अंततः गठबंधन नहीं हो पाया।जिस कारण आम आदमी पार्टी का दो प्रतिशत वोट कांग्रेस के हाथ से फिसल गया।कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रीय स्तर के बाद राज्य स्तर पर आंतरिक गुटबाजी को खत्म करना चाहिए था,यह साफ देखा जा सकता है कि भीतरी कलह पार्टी को नुकसान पहुंचाती है और भविष्य में इस प्रकार के नुकसान से बचने के लिए पार्टी को कदम उठाने पड़ेंगे।कांग्रेस पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओ को हर अहम मुद्दे पर लोगों के बीच जाना होगा और सरकार पर दबाव बना होगा ताकि पार्टी का रुख लोगों के सामने साफ हो सके।कांग्रेस पार्टी अपने वोटों को बिखरने से बचाने के लिए कदम उठाए और नए वोटों को जोड़ने के लिए कदम उठाए। कांग्रेस की सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने की क्षमता में बाधा डालने वाला एक और कारक उसकी अप्रभावी अभियान रणनीति रही। पार्टी का चुनाव अभियान काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक था, जिसमें हरियाणा के लिए एक सम्मोहक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रदर्शन की आलोचना करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जबकि बेरोजगारी, किसान संकट और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे उठाए गए, कांग्रेस इन चिंताओं पर मतदाताओं से पर्याप्त रूप से जुड़ने या ठोस समाधान पेश करने में विफल रही है।सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, भाजपा स्थानीय वास्तविकताओं के अनुसार अपनी रणनीति को ढालकर कुछ हद तक नुकसान को कम करने में कामयाब रही। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हालांकि किसान विरोध और कानून व्यवस्था के मुद्दों से निपटने के लिए आलोचना के शिकार हुए, लेकिन साथ ही वे एक गैर-भ्रष्ट, सुलभ नेता की छवि बनाए रखने में कामयाब रहे। गैर-जाट समुदायों से उनकी अपील ने भाजपा को वोटों का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने में मदद की। इसके अलावा, भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और राष्ट्रवादी अपील का प्रभावी ढंग से लाभ उठाया। एक मजबूत नेता के रूप में मोदी की छवि, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के भाजपा के आख्यान के साथ मिलकर, शहरी और अर्ध-शहरी मतदाताओं के बीच गूंजती रही, जो स्थानीय मुद्दों से कम और राष्ट्रीय चिंताओं से अधिक प्रभावित थे। दूसरी ओर, कांग्रेस मोदी की अपील का मुकाबला करने के लिए एक समान एकीकृत आख्यान पेश करने में असमर्थ रही। जिन कांग्रेस नेताओं को फील्ड में भेजा गया, उनमें ज्यादातर सिफारसी थे और प्रभावहीन भी,जो कांग्रेस को हार की तरफ खींच ले गए।

संपादकीय

भाजपा लगातार तीसरी बार

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के मंगलवार को घोषित नतीजों में भाजपा ने हरियाणा में बहुमत हासिल कर लिया जबकि जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनावपूर्व गठबंधन सरकार बनाने की तरफ अग्रसर है। चूंकि अभी अंतिम नतीजे घोषित नहीं हुए हैं, इसलिए बढ़त से जो तस्वीर उभरी है, पूरे नतीजे घोषित होने के बाद वो कमोबेश ऐसी ही रहनी है। हरियाणा में भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश मिला है और पहली बार है कि जब कोई पार्टी तीसरी बार अपनी सरकार बनाने जा रही है। जम्मू-कश्मीर में जरूर भाजपा को उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले हैं, जहां जम्मू क्षेत्र की विधानसभा सीटें बढ़ने के बावजूद उसकी सीटें कम आई हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए जम्मू-कश्मीर के नतीजे संजीवनी बूटी की तरह हैं क्योंकि लोक सभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शिकस्त मिली थी। उमर, जो इस बार दो विधानसभा क्षेत्रों से लड़े. ही इसलिए थे कि पराजय के अंदेशे को दूर रख सकें, यदि चुनाव हार जाते तो 1996 के बाद पहली बार होता जब अब्दुल्ला परिवार का कोई भी संसद या विधानसभा में नहीं होता। कईलोग मान रहे थे कि यह चुनाव उमर के राजनीतिक कॅरियर का भविष्य निर्धारित करेगा। जम्मू-कश्मीर में एक अन्य परिणाम ने भी चौंकाया है। बिजबेहरा विधानसभा सीट से पीड़ीपी की टिकट पर पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपने पहले ही चुनाव में हार गई। इस तरह राजनीति में जीत के साथ पदार्पण करने से चूक गई। पीड़ीपी के लिएभी चुनाव बेहद निराशाजनक रहे क्योंकि पिछली बार पीड़ीपी ने भाजपा के समर्थन से राज्य में सरकार बनाई थी। माना जा रहा है कि भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार चलाने के कारण ही इस बार उन्हें अपने कोर मतदाताओं के कोप का शिकार होना पड़ा। बहरहाल, घाटी में दस साल हुए विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक हुए। लोगों में चुनाव को लेकर खासा उत्साह था, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। हरियाणा में चुनाव-पूर्व अनुमानों में कांग्रेस को बढ़त दिखाई जा रही थे। माना जा रहा है कि जाट बनाम गैर जाट का मुद्दा भी चला। किसान, पहलवान और जवान तीनों ही वर्गों को भाजपा से नाराज बताया जा रहा था लेकिन कयासबाजियों को धता बताते हुए भाजपा ने जीत का डंका पीट दिया। अन्य राज्यों में आसन्न चुनावों में उसे इसका फायदा मिलना तय है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती।

आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवसः बेहतर दुनिया बनाने के लिये मन को स्वस्थ करना जरूरी

मन की स्वस्थता शरीर की स्वस्थता से भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि जीवन की पूर्णता, सार्थकता एवं सफलता मानसिक स्वास्थ्य पर ही निर्भर है। मन से स्वस्थ व्यक्ति ही दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति हो सकता है। मन स्वस्थ रहे एवं आगे से आगे मानसिक स्वास्थ्य बढ़ता जाये, इसी उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालने, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले लोगों का समर्थन करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता बनाने के अपने मिशन में निहित है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पहल को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 के लिए थीम 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' की घोषणा की है। मानसिक स्वास्थ्य मानसिक तंदुरुस्ती की एक ऐसी स्थिति है जो लोगों को जीवन के तनावों से निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, अच्छी तरह से सीखने और काम करने तथा अपने समुदाय में योगदान करने में सक्षम बनाती है। यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का एक अभिन्न अंग है जो निर्णय लेने, संबंध बनाने और जिस दुनिया में हम रहते हैं उसे आकार देने की हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं को रेखांकित करता है।

सुरक्षित, मनोरम, हास्यवर्द्धक, भाररहित, सहायक कार्य वातावरण मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सुरक्षात्मक भूमिका निभाते हैं। हालाँकि भेदभाव, उत्पीड़न, असुरक्षित और खराब कार्य स्थितियों जैसी अस्वस्थ स्थितियाँ मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकती हैं। ये चुनौतियाँ जीवन की समग्र गुणवत्ता, कार्य भागीदारी और उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को ताजा करने और एक स्वस्थ और खुशहाल कार्य वातावरण बनाने की ज्यादा अपेक्षा है। शोध के अनुसार, 6 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करता है और हर साल 12 बिलियन कार्य दिवस अवसाद, तनाव और चिंता के कारण बर्बाद हो जाते हैं। देश में कार्यस्थलों में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता की स्पष्ट आवश्यकता है, जिससे न केवल व्यक्ति को बल्कि संगठन को भी लाभ होगा। वास्तव में, जो कर्मचारी खुश रहते हैं वे 13 प्रतिशत अधिक उत्पादक होते हैं, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना व्यावसायिक रूप से समझदारी है। मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकता है। जैसे शरीर की सफाई दिन में कई बार आवश्यक है, वैसे ही मन की सफाई कई बार होनी चाहिए। मिल या अन्य औद्योगिक ईकाइयों में काम करने वालों का कपड़ा थोड़ा-थोड़ा करके शाम तक खराब हो जाता है, वैसे ही मन भी कार्यस्थलों पर तरह-तरह के संकटों, तनावों एवं परेशानियों से खराब होता है। इसके लिये लंबी, गहरी सांस से मानसिक स्वास्थ्य की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। मन से लड़े नहीं, बल्कि उसे समझाएं। प्रमोदभाव-गुणात्मक दृष्टि का विकास करें। मन को वॉचमैन बनाकर रखिये। क्योंकि जीने का वास्तविक अर्थ है हर पल स्वयं के द्वारा स्वयं का निरीक्षण। देखना है कि मन कब राग-द्वेष, तनाव, अवसाद, विकास एवं कुंठाग्रस्त हो रहा है।

कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है। कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव और उससे जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के साथ, नियोक्ताओं के लिए अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को पहचानना और उसे प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि कार्यस्थल पर ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी दबाव और तनाव महसूस कर रहे हैं और इसकी संख्या बढ़ती जा रही है। 55 प्रतिशत कर्मचारियों को लगता है कि उनका काम ज्यादा तीव्र और मांग वाला होता जा रहा है। इसके अलावा, शोध से पता चलता है कि ब्रिटेन के पाँच में से एक कर्मचारी ने कार्यस्थल पर तनाव और दबाव को प्रबंधित करने में असमर्थता महसूस की। लगभग ऐसी ही स्थितियां भारत में भी देखने को मिल रही है। भारी कार्यभार, तंग समय सीमा और सहायता की कमी जैसे तनाव कर्मचारियों में चिंता, तनाव, अवसाद और बर्नआउट का कारण बन सकते हैं। कई कर्मचारी कमजोर समझे जाने, संभावित रूप से अपनी नौकरी खोने या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी परेशानियों के कारण मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से डरते हैं। नियोक्ता अपने कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की आम बात को तेजी से पहचान रहे हैं और कर्मचारियों को उनके मानसिक स्वास्थ्य को समझने और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज के आँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उच्च लागत जैसे कई कारणों की वजह से 80 प्रतिशत से अधिक लोगों की देखभाल सेवाओं तक पहुँच नहीं है। वर्ष 2012-2030 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रायः कलंकित किया जाता है और गलत समझा जाता है। कई व्यक्ति एवं परिवार सामाजिक भेदभाव के डर और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण मदद लेने से झिझकते हैं। स्त्रियों एवं पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य में असमानताओं में उनके लैंगिक भिन्नताओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में महिलाओं को अवसाद, चिंता और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है तथा उनके पास मदद मांगने हेतु स्वायत्तता अक्सर सीमित होती है। गरीबी और आर्थिक असमानता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की वृद्धि में योगदान देती है। वित्तीय अस्थिरता के चलते तनाव और शैक्षिक अवसरों की सीमितता भी मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकती है।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य के समान रूप से महत्वपूर्ण घटक हैं। उदाहरण के लिए, अवसाद कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं, विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी दीर्घकालिक स्थितियों के जोखिम को बढ़ाता है। इसी तरह, पुरानी स्थितियों की उपस्थिति मानसिक बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकती है। प्रतिकूल बचपन के अनुभव, जैसे आघात या दुर्व्यवहार का इतिहास उदाहरण के लिए, बाल दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न, हिंसा देखना, आदि। अन्य चल रही दीर्घकालिक चिकित्सा स्थितियों से संबंधित अनुभव, जैसे कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह। मस्तिष्क में जैविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उपयोग, अकेलेपन या अलगाव की भावना होना आदि मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मन को बीमार करने के ये कुछ कारण है। मन हमारे व्यक्तित्व का दर्पण है।

- ललित गर्ग

सामयिकः टैगोर से दूर जाता बांग्लादेश

प्रहलाद सबनानी

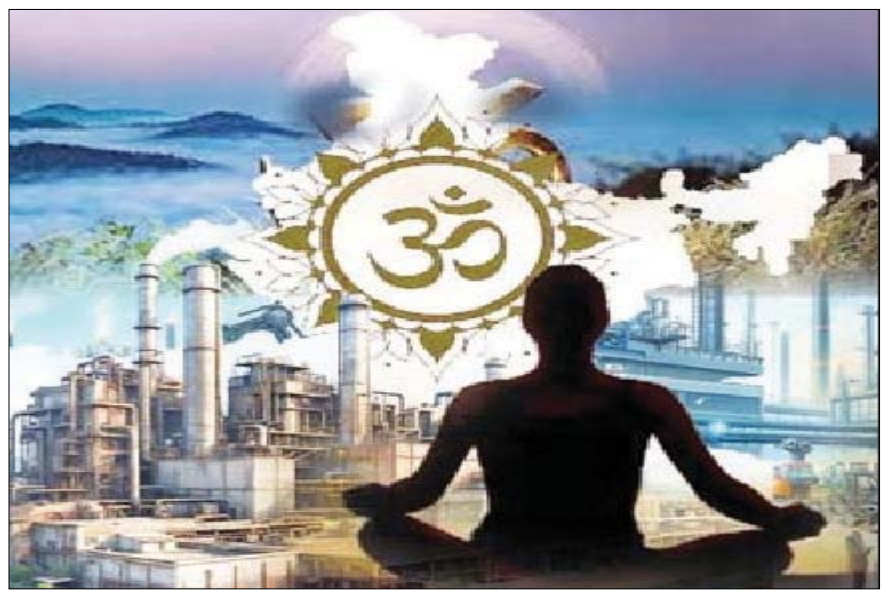

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। कुछ देशों के संबंध में प्रायः कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के संबंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है।

इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है परंतु अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं, और नित नये विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि हाल के समय में वैश्विक स्तर पर मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभरा है, तो भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही एवं ये देश भारत के संबंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां।

हालांकि चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में ये एक हो गई हैं। पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीनआसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में 'शुभ लाभ' की विचारधारा पर कार्य किया जाता है परंतु पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुकसान क्यों न उठाना पड़े, लेकिन इसे 'शुद्ध लाभ' की संज्ञा दी जाती है। इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से 'शून्य लाभ' के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंततः व्यापार ही समाप्त होने की ओर बढ़ जाता है।

भारतीय परंपरा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांट कर अति गरीबों को भी हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि वे भूखे न रहें। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का संचार करता है। इसी कारण से आज विश्व भर में फैले आतंकवाद से निपटने में भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है। भारत में 'संयुक्त परिवार भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है'। पश्चिमी देशों में तो संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिख रहा है। इन देशों में तलाक की दर अधिक है, और नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती। बुजुर्ग दंपति अपने अंतिम समय पर पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है एवं बच्चे अवसाद के शिकार हो रहे हैं। 'भारत ने विश्व का दिल जीता है' एवं 'भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है', 'सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के ड़ीएनए में है' जैसे विमर्श गढ़ने की जरूरत है। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है।

इस्लाम एवं ईसाइयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता। जो कुछ करना है, इसी जन्म में करना है। इसके विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है। इसलिए भारतीय उपभोग में संयम बरतते हैं एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है, 'प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा न रहूं और अन्य कोई भी भूखा न सोए'। हिन्दू जीवन पद्धति है। इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। धर्म का आश्य अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करने से है जबकि कई बार हिन्दू शब्द को धर्म से जोड़ दिया जाता है, और हिन्दू को अलग धर्म मान लिया जाता है।

हिन्दू राष्ट्र भारत की संकल्पना है। कुछ विदेशी शक्तियां भारत के विरुद्ध झूठे विमर्श गढ़ने में व्यस्त हैं तो भारत को भी अपने बारे में सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ने की जरूरत है। भारतीय सनातन संस्कृति तो धरा पर समस्त जीवों के भले की बात करती है, इसीलिए भारत में पर्वत, नदी, पेड़, पौधों, जंतुओं आदि को भी पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है परंतु दुर्भाग्य से आज पूरे विश्व में हिंसा व्याप्त है। हिंसा को सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपना कर ही रोका जा सकता है। भारत के बारे में वास्तविक एवं सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ कर अन्य देशों के नागरिकों को भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मां कैलादवी मंदिर तसीमों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, भक्तों ने लगाए भंडारे

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। जिला धौलपुर के सैपऊ उपखण्ड में तसीमों। में कैला माता मंदिर पर दुर्गाष्टमी के मौके पर दूर दूर से श्रद्धालु तसीमों पहुंच कर मन्नत मांगी और नारियल चढ़ाया।

मंदिर को फूल बंगला से सजाया गया! और मैया को छप्पन भोग का भोग लगाया गया। वहीं कन्याओं को श्रद्धालुओं द्वारा भोजन कराया गया। वहीं मां कैला देवी युवा कमेटी तसीमों द्वारा ठंडे शरबत व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं से प्रसादी ग्रहण की श्रीकृष्ण गोपाल ने बताया कि मां के दरबार में जागरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने मां की भेंट, लांगुरिया की प्रस्तुति दी। मंदिर में माता की मनोरम झांकी सजाई गई। इस मौके माता मंदिर भगत कृष्णोपाल शर्मा दीपू शर्मा, हरेश शर्मा, गौरव शर्मा, योगेश मित्तल, बंटी शर्मा, पीयूष मित्तल आदि ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

बाड़ी शहर के रिंग रोड पर हुआ सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से पलटी टीयूवी गाड़ी

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण)। बाड़ी - शहर के रिंग रोड पर बसेड़ी और सरमथुरा के बीच लिंक सड़क पर हादसा हुआ। शुक्रवार के दिन में करीब 4 बजे हुई उक्त घटना में एक टीवी महिंद्रा गाड़ी अचानक सड़क से तीन पलटी खाते हुए खाई में जा गिरी। दुर्घटना में गाड़ी चला रहे, युवक की मौत हुई है। वहीं उसके दो दोस्त घायल हुए हैं। घटना के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों की सूचना पर पहुंची हाईवे एंबुलेंस 1033 से सव को बाड़ी अस्पताल पहुंचाया गया है। जहां से दोनों घायलों को हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। वहीं मृतक के शव को मोर्चरी रखवाया गया है।

फाइनेंशियल मार्केट में रिलायंस का बड़ा दांव, नया जियो फाइनेंस एप लॉन्च

- सेविंग एकाउंट, लोन, इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड का वन-स्टॉप-डेस्टिनेशन

चमकता राजस्थान। मुंबई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने अपना नया जियो फाइनेंस एप लॉन्च किया है, जो सेविंग अकाउंट, लोन, इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड जैसी वित्तीय सेवाओं का वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। इस एप का बीटा वर्जन 30 मई, 2024 को पेश किया गया था और अब तक इसे 60 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। ग्राहकों के फीडबैक के आधार पर एप का फाइनल वर्जन विकसित किया गया है।

जियो फाइनेंस एप में म्यूचुअल फंड पर लोन, संपत्ति पर लोन, होम लोन, और होम लोन बैलेंस ट्रांसफर जैसी नई सेवाएं जोड़ी गई हैं। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (जेपीबीएल) में 15 लाख से अधिक ग्राहक पहले ही अपने बचत खाते खोल चुके हैं, जिन्हें मात्र 5 मिनट में डिजिटल रूप से खोला जा सकता है।

जेएफएसएल के सीईओ हितेश सेठिया ने कहा, ₹हमारा मिशन प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर निर्बाध और सुविधाजनक वित्तीय सेवाओं तक लोगों की पहुंच बनाना है।₹ कंपनी ब्लैकरॉक के सहयोग से विश्व स्तरीय निवेश समाधान लाने की दिशा में भी काम कर रही है।

झील वाली कैला माता के किए दर्शन

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किया आरबीएम अस्पताल दौरा

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बस में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ आरबीएम जिला अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य का जायजा लेने पहुंचे, जिला कलेक्टर ने श्री डी मॉडल के जरिए अस्पताल के नए भवन की संरचना की जानकारी दी व पूर्ण हो चुके निर्माण कार्य के बारे में विस्तार से बताया. इस दौरान अस्पताल के सभी तलों पर बनाए जाने वाले वार्डों व अनुभागों में डी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्देशित किया कि नए अस्पताल के भवन निर्माण का कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण कर इसे प्रारंभ किया जाए जिससे कि जिलेवासियों को बेहतर चिकित्सा का लाभ पहुंचाया जा सके. उन्होंने भवन निर्माण पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। इस दौरान राजकीय आरबीएम चिकित्सकीय अस्पताल भरतपुर के मॉडल के माध्यम से जानकारी दी, शहर में सिटी फ्लड कंट्रोल ड्रेन सीएफसीडी के कार्यों के बारे में विस्तार से बताया, गिर्राज कैनाल आरएनएफसीएफडी भरतपुर के कार्यों, मास्टर ड्रेनेज परियोजना आदि की जानकारी दी।इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, जिला प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत, डीग कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, कामा विधायक नौक्षम चौधरी, संभागीय आयुक्त रश्मि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रक ाश, प्रभारी सचिव शुचि त्यागी, जिला कलक्टर डॉ अमित यादव, एसपी मृदुल कच्छावा, उद्योगपति यश अग्रवाल, भाजपा जिला महामंत्री मोहन रारह, यश अग्रवाल टीम प्रभारी गौरव बंसल छोटू, उद्योगपति निरपेश गुप्ता, भाजपा नेता अरविंद पाल सिंह, पूर्व पंचायत समिति सदस्य गजेंद्र सिंह टंटा सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।

नौ नव-दुर्गाओं का जन्म दिवस मनाया, अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस जिला स्तरीय समारोह

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण)। धौलपुर में आज भारत सरकार महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एवं महिला अधिकारिता विभाग निदेशालय के निर्देशानुसार जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के आदेश पर शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का आयोजन नगर परिषद सभागार में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 09 नवजात बालिकाओं का जन्मोत्सव रहा, जिसमे केक काटकर बालिकाओं का जन्म दिवस मानते हुए उन्हें बेबी किट वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि बीबीबीपी ब्रांड एम्बेसडर पार्वती कुशवाह रही, जिन्होंने महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और माता पिता से लड़का-लड़की में भेद करने की प्रथा को समाप्त करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन बालिका भव्या दीक्षित एवं बृज तिवारी द्वारा किया गया, सहायक निदेशक विश्व देव पांडेय द्वारा 02 अक्टूबर से आयोजित किये जा रहे दस दिवसीय कार्यक्रम का विवरण बताते हुए शक्ति को स्मरण : अधिकारों का संरक्षण विषग अभियान के तहत मनाए गए शक्ति दिवस, जीवनरक्षा दिवस, सुस्वास्थ्य दिवस, वात्सल्य दिवस, सुशिक्षा दिवस, सुसंस्कार दिवस, पहल एव सहभागिता दिवस, कन्यादान दिवस पर किये गए आयोजनों की जानकारी दी एडीईओ रोहित बिष्ट द्वारा बेटी बचाओ बे-टी पढ़ाओ योजना के दूरगामी सत्परिणामों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजन जेंडर स्पेशलिस्ट कनुप्रिया कौशिक द्वारा किया गया। सीडीपीओ बाड़ी अर्पित श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम के बाद महिला एवं बालिका संरक्षण का संकल्प लेकर जावे तभी नवरात्रा समापन के अवसर पर आयोजित इस दिवस की सार्थकता होगी। आरसीएचओ शिवकुमार शर्मा द्वारा पीसीपीएनडीटी एक्ट, मुखबिर योजना, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एव आयरन फोलिक एसिड की गोलियों के वितरण के बारे में अवगत कराया गया। बालिका मानसी और सलोनी द्वारा डांडिया एव बालिका ऋषिका लवानिया द्वारा घूमर नृत्य पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी आयुषी कुशवाह, तान्या शर्मा आदि द्वारा एकल नृत्य, कविता पाठ कार्यक्रम भी आयोजित किये गए। गुरुवार को आयोजित महिला मैत्री क्रिकेट मैच में विजेता टीम बेटी बचाओ, उपविजेता बे-टी पढ़ाओ, प्लेयर ऑफ द मैच में मनीषा कुंतल, रेफरी सुरजीत सिंह को मूमेंटो देकर एव शेष सहभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। दस दिवसीय कार्यक्रमो में आयोजित की गई प्रतियोगिताओ के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग की साथिन, स्कूली बालिकाएं, आईएमसके, एमएसएसके काउंसलर, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सहित जनसामान्य उपस्थित रहे।

माता जी के घोड़लो ने किया अग्नि स्नान , हजारों लोग बने साक्षी

चमकता राजस्थान /रमेश मोदी। मिश्रौली /झालावाड़। क्षेत्र में स्थित प्राचीन और चमत्कारी शक्ति पीठ माता अन्नपूर्णा रानी के मंदिर में नवरात्रि की नवमी पर विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस आयोजन में मातारानी के भक्त, जिन्हें 'घोड़ले' कहा जाता है, ने परंपरागत अग्नि स्नान की अद्वितीय और चमत्कारी परंपरा का पालन किया। इस अद्वितीय घटना को देखने के लिए राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित विभिन्न स्थानों से हजारों श्रद्धालु मंदिर में एकत्रित हुए।घोड़लों की भव्य शोभायात्रा हिंगलाजगढ़ माता मंदिर से शुरू हुई, जिसमें बैंड-बाजों के साथ खोडियार माता और महिषासुर मर्दिनी माता की ध्वजाएँ शामिल थीं। शोभायात्रा कस्बे के विभिन्न मंदिरों से होकर गुजरी, जहां धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। यात्रा के दौरान, घोड़लों को मातारूपि वस्त्र और मेहंदी से श्रृंगारित किया गया। कस्बा के गणमान्य नागरिक मथुरालाल पटेल, कनीराम नागर और ठाकुर भूपेंद्र सिंह चंद्रावत के आवास पर विशेष रूप से घोड़लों का स्वागत किया गया।

शोभायात्रा के समापन के पश्चात पहाड़ी पर स्थित चबूतरे पर करीब डेढ़ क्विंटल लकड़ी, 21 किलो सूखे नारियल और 51 किलो शुद्ध देसी घी का उपयोग कर एक विशाल अग्नि प्रज्वलित की गई। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में और जयकारों के बीच घोड़लों ने अग्नि स्नान की परंपरा का निर्वहन किया। इस अनुष्ठान से पहले अग्नि में कपूर और अन्य सामग्री डालकर उसे और अधिक प्रज्वलित किया गया। यह चूल सवा हाथ चौड़ी, नौ हाथ लंबी और सवा हाथ गहरी थी। अग्नि स्नान के बाद घोड़लों ने श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। इस धार्मिक आयोजन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। डीवाईएसपी प्रेमकुमार चौधरी सहित मिश्रोली, पिड़ावा, भवानीमंडी और झालावाड़ की पुलिस टीमें तैनात थीं। स्थानीय सरपंच जगमाल सिंह चौहान, समिति अध्यक्ष मोतीलाल पाटीदार, पुलिस मित्र, और कई ग्रामीण भी इस पवित्र आयोजन के साक्षी बने।

आरक्षण कोटे से बने बीजेपी विधायक के बयान को लेकर एससी एसटी समाज में रोष व्याप्त

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह)। वैर विधायक बहादुर सिंह कोली का सोशल मीडिया पर एससी एसटी एक्ट के विवादित बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी वीडियो वायरल हो रहा है। हालांकि चमकता राजस्थान न्यूज इसकी पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के मुताबिक सोशल मीडिया पर खेड़ली मोड़ पर थाने का उद्घाटन समारोह में बीजेपी विधायक बहादुर सिंह कोली एससी एसटी 3 एक्ट के खिलाफ गलत टिप्पणी की। एससी एसटी समाज में इस बयान को लेकर काफी विरोध है। एससी एसटी समाज के पदाधिकारियों ने कहा जब बीजेपी विधायक और वैर नगर पालिका चेयरमैन विष्णु महावर के साथ जयपुर मे किसी प्लॉट को लेकर विवाद हुआ तब बीजेपी विधायक ने जाट समाज अन्य जनरल समाज के व्यक्ति के खिलाफ एससी एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था। एससी एसटी समाज का कहना है कि जब जयपुर में प्लॉट का लेनदेन का मामला था तब विधायक जी आपने और आपके साथ वैर नगर पालिका चेयरमैन विष्णु महावर ने एससी एसटी एक्ट का मामला क्यों दर्ज कराया। जबकि आपके इस बयान को लेकर एससी एसटी समाज के पास बीजेपी विधायक का जयपुर में प्लॉट को लेकर हुए विवाद का सबूत है। अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन सोसायटी अध्यक्ष एवं दलित समाज का कहना है कि बीजेपी विधायक बहादुर सिंह कोली अपनी औकात भूल गया कि इसको ये नही पता कि में जिस समाज से आता हूं उसके साथ कितनी जाति ज्यादती होती है। कुछ दलित समाज के लोग विधायक पर अनर्गल भाषण देने का आरोप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। कुछ एससी एसटी समाज के लोग विधायक को अनपढ़ होने के नाते संविधान के प्रति अनभिग कहते नजर आ रहे हैं। आज दलित समाज के लोग जयपुर हलैना एनएच 21 पर स्थित लाल जी मंदिर पर एससी एसटी समाज बीजेपी विधायक बहादुर सिंह कोली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा।

सहकारी संस्थाओं में समायोजित स्पिनफैड के कर्मचारियों को मिलेगा अब नियमित वेतनमान

- 110 कर्मचारियों को होगा लाभ

चमकता राजस्थान। जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को बताया कि विभिन्न सहकारी बैंकों, जिला भण्डार, पीएलडीबी आदि सहकारी संस्थाओं में समायोजित किये गये स्पिनफैड के कर्मचारियों/श्रमिकों को अब उनकी योग्यता के अनुसार संबंधित संस्था में लागू नियमित वेतनमान का लाभ देने का निर्णय किया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सहकारिता विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। इस निर्णय से सहकारी संस्थाओं में काम कर रहे लगभग 110 कर्मचारी/श्रमिक लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि स्पिनफैड को वर्ष 2017 में अवसायन में लाया गया था तथा इसके कर्मचारियों/श्रमिकों की आजीविका को सुनिश्चित करने के लिये इनकी योग्यता के अनुसार विभिन्न सहकारी संस्थाओं में रिवर्स डेपुटेशन पर भेजा गया था। श्री दक ने बताया कि वर्ष 2020 में स्पिनफैड के कर्मचारियों/श्रमिकों को पातेय वेतन पर विभिन्न सहकारी संस्थाओं में समायोजित किया गया था। स्पिनफैड एवं सहकारी संस्थाओं यथा बैंकों, भण्डार आदि के वेतनमान भिन्न होने के कारण इन्हें नियमित वेतनमान का लाभ नहीं दिया जा रहा था। कर्मचारियों की इस सम्बन्ध में चली आ रही मांग को पूरा करते हुए अब इन्हें नियमित वेतनमान दिए जाने का निर्णय किया गया है। कर्मचारियों की इस सम्बन्ध में चली आ रही मांग को पूरा करते हुए अब इन्हें नियमित वेतनमान दिए जाने का निर्णय किया गया है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस निर्णय से स्पिनफैड के कर्मचारी/श्रमिक द्वारा जिस दिन से सहकारी संस्था में समायोजित पद पर कार्यग्रहण किया गया है उस दिन से 2 वर्ष के परीवीक्षाकाल में उस पद के लिये नियमानुसार फिक्स वेतन या पूर्व में मिल रहे पातेय वेतन में से जो भी ज्यादा हो, की दर से वेतन देय होगा। उन्होंने बताया कि दो वर्ष के सफलतापूर्वक पूर्ण किये गये परीवीक्षाकाल के बाद संबंधित संस्था में लागू नियमित वेतनमान का लाभ मिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नवरात्रि और विजया दशमी पर्व की प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

विजया दशमी की सार्थकता तब जब मनुष्य क्रोध, अंहकार, लालच और असत्य जैसी बुराईयों पर प्राप्त करें विजयः मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शारदीय नवरात्रा की नवमी पर पूजा अर्चना की और माँ दुर्गा से प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की । विजया दशमी की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां शारदा के नौ स्वरूपों की आराधना और भक्ति के बाद आने वाले विजया दशमी का हमारे ग्रंथों में विशेष महत्व है। नौ दिन जहां जन-जन माता की भक्ति करता है, वहीं दशमी पर रावण दहन कर बु-राई पर अच्छाई की जीत का जश्न मनाता है। विजया दशमी अच्छाई की जीत के साथ अंधरे से उजाले का प्रतीक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध, मां दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध सत्य, धर्म और न्याय का प्रतिक है। जब आमजन सत्य और न्याय के मार्ग पर चलता है तो वह हर बाधा को पार कर लेगा। आज विजय दशमी पर्व को मनाने की सार्थकता के लिए हमें अपने भीतर के क्रोध, अंहकार, लालच, ईर्ष्या, आलस्य, हिंसा जैसी बुराइयों पर विजय प्राप्त करने की आवश्यकता है। राठौड़ ने आमजन से आव्हान किया है कि विजय दशमी मनाते हुए अनुष्ठान और सदाचार से जीवन को एक नये मार्ग की ओर ले जाएं।

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम 2024

लाडो प्रोत्साहन जैसी योजनाओं से होगा बालिका सशक्तिकरण: महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजु बाघमार

चमकता राजस्थान

जयपुर,(खलील कुरैशी) 11 अक्टूबर। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजु बाघमार ने 4 से 13 अक्टूबर तक जयपुर के जवाहर कला केन्द्र के दक्षिण परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय अमृता हाट में शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि राजस्थान सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं और महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है।महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने बेटियों के जन्म से ही उनका सुरक्षित और उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की है। जिसमें बालिका के जन्म से विभिन्न चरणों में एक लाख रुपये तक की राशि देय है। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन जैसी योजनाओं से बालिका का सशक्तिकरण होगा। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार राज्य में महिलाओं और बालिकाओं के लिए उद्यम प्रोत्साहन योजना सहित अन्य कई विकास की योजनाएं संचालित है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना चल रही है। इसी प्रकार बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच का विकास जरुरी है। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजु बाघमार ने आयुक्त महिला अधिकारी नीतू राजेश्वर, अतिरिक्त निदेशक सीमा शर्मा की, उपनिदेशक भारत भूषण गोयल, जयपुर जिला उपनिदेशक राजेश डोगीवल, उपनिदेशक विजयश्री एवं सहायक निदेशक सुनीता मीना की उपस्थिति में अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम के तहत विविध प्रस्तुतियां दी गई। जिसके पश्चात महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ मंजू बाघमार ने बालिकाओं को पुरस्कृत किया। इसके पश्चात उन्होंने अमृता हाट का अवलोकन किया। डॉ. मंजु बाघमार ने राज्य स्तरीय अमृता हाट में राजस्थान के विभिन्न जिलों के 80 महिला स्वयं सहायता समूहों एवं महिलाओं द्वारा निर्मित/मूल्य संवर्धित उत्पादों की बिक्री के लिए लगाई गई लगभग 170 स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉल्स पर अवलोकन करते हुए स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रशंसा की और खरीददारी कर यूपीआई से ऑनलाइन भुगतान किया।

जयपुर वासियों को राज्य स्तरीय अमृता हाट लुभा रहा

राज्य स्तरीय अमृता हाट में सांस्कृतिक कार्यक्रम, सेल्फी पॉइंट, डू इट योर सेल्फ कार्नर, आत्मरक्षा प्रशिक्षण डेमो, फूड कोर्ट आदि इस राज्य स्तरीय अमृता हाट के मुख्य आकर्षण हैं। मेला परिसर में आगन्तुकों के स्वादानुसार, समोसा तंदूरी चाय, भेल-पूरी, चाय-कॉफी, आईसक्रीम एवं अनेक लजीज आईटम उपलब्ध करवाये गएं हैं। अमृता हाट में आमजन का निशुल्क प्रवेश हैं, जहां वें मनोरंजन और उत्सव के साथ कलाकारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम देख सकते हैं और खरीदारी भी कर सकते हैं। हाट में हैण्डीक्राफ्ट, कशीदाकारी, लाख की चूडियों, पेपरमेशी आईटम, सलवार सूट, टेराकोटा, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, चिकन एवं जरी वर्क, कांच एवं पेच वर्क, सभी के पसंदीदा अचार, मुरब्बा, मसाले एवं अन्य हस्तनिर्मित आकर्षक उत्पाद उपलब्ध हैं।उल्लेखनीय है कि जयपुराइट्स अमृता हाट मेले में काफी रूचि दिखाते है तथा उन्हे साल भर इस मेले के लगने का इन्तजार रहता है क्योंकि अमृता हाट में हस्तनिर्मित उत्पादों के दाम भी वाजिब रहते है।यह राज्य स्तरीय अमृता हाट 04 अक्टूबर (शुक्रवार) से 13 अक्टूबर (रविवार) तक प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर झड़वासा की दो बालिका सम्मानित

चमकता राजस्थान /रघुनंदन पारीक /श्रीनगर। नसीराबाद झड़वासा कस्बे की दो बालिका अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर सम्मानित हुई,राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झड़वासा के बालिका शिक्षा प्रभारी सुदेश कुमारी ने बताया की झड़वासा विद्यालय में कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत छात्रा काली पुत्री देवकरण गुर्जर व निशा पुत्री महावीर नायक को जिला स्तर पर हॉकी प्रतियोगिता में विजेता होने पर अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सभागार अजमेर में जिला स्तर पर सम्मानित किया गया
इस अवसर पर सरपंच भंवर सिंह गौड, एसएमसी, एसडीएमसी सदस्यों व प्रधानाचार्य कौशल्या यादव और समस्त स्टॉफ ने दोनों बालिकाओं को बधाई व शुभकामनायें दी सरपंच भंवर सिंह गौड ने बताया की दोनों छात्राओं ने झड़वासा विद्यालय व ग्राम पंचायत का मान बढ़ाया है हमें इसी तरह समस्त बालिकाओं का उत्सावर्धन करना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया राम कथा का श्रवण,

- राम का जीवन त्याग, तपस्या,संघर्ष, शौर्य और सत्य का आदर्श उदाहरण :लोकसभा अध्यक्ष

चमकता राजस्थान। जयपुर, 11 अक्टूबर। कोटा जिला स्थित रानपुर के श्री मारुति नंदन आश्रम में शुक्रवार को आयोजित राम कथा में लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिरला ने राम कथा का श्रवण किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पावन राम कथा में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ। स्पीकर बिरला ने रानपुर की इस पवित्र धरती को धन्य बताते हुए कहा कि यहां नवरात्रों के अवसर पर नियमित रूप से शिव बापू द्वारा राम कथा का आयोजन किया जाता है, जो भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक है।लोकसभा स्पीकर ने भगवान श्री राम के मानव जीवन और उनके आदर्शों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि श्री राम और माता सीता का जीवन त्याग, तपस्या, सत्य, संघर्ष, शौर्य और नैतिकता की अद्वितीय मिसाल है, जिससे हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। श्री राम का जीवन सत्य और सत्य के मार्ग पर चलने वाला एक आदर्श जीवन था, जिससे हम सबको प्रेरणा लेनी चाहिए।भगवान श्री राम के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और न्याय के लिए संघर्ष अनिवार्य होता है, और इतिहास गवाह है कि अंततः जीत सदैव धर्म और सत्य की ही होती है।उन्होंने कहा कि श्री राम का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, और हमें उनके आदर्शों पर चलने का निरंतर प्रयास करना चाहिए।

सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने भ्रष्टाचार के मामले में दिए जाँच के आदेश

बनायी विभाग की राज्य स्तरीय कमिटी

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने सार्वजनिक निर्माण विभाग में पिछले दो वर्षों में अपने ही विभाग द्वारा बनायी गई सड़कों की जाँच के आदेश दिए हैं ,ताज़ा मामले के अनुसार हिण्डौनसिटी में 17 करोड़ की लागत से बन रही सड़क की अब राज्य स्तरीय टीम जाँच करेगी।
सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता के निर्देश पर मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण)जसवंत खत्री ने एक

टीम बनायी है इसमें दो अधिशासी अभियंता ,एक सहायक अभियंता एवं वैज्ञानिक को टीम में शामिल किया गया है ,मुख्य अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण)जसवंत खत्री ने सात दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार संवेदक व अभियंताओं की मिलीभगत से जी शेड्यूल दरकिनार किया जा रहा था ,सड़क निर्माण संवेदक और अभियंताओं ने अपनी मज़ी से सड़क का स्थान व समय बदल दिया , इसके बावजूद दस महीने बाद भी आधा कार्य भी नहीं हुआ है।
ज्ञातव्य है कि हिंडौन के भाजपा नेता गोपाल गुर्जर ने प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता से शिकायत कर संवेदक तथा अभियंताओं पर मनमज़ी से सड़क डालने के आरोप लगाए थे, यह सड़क रेलवे ओवर ब्रिज से लेकर कोतवाली थाने तक बननी है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नवमी पर नौ माता मंदिरों में माथा टेका,

- प्रदेश की खुशहाली व तरक्की की कामना की

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 11 अक्टूबर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शारदीय नवरात्रा की नवमी को अजमेर जिले में स्थित नौ माता मन्दिरों में माथा टेका। उन्होंने देश व प्रदेश में तरक्की व खुशहाली की कामना की। उन्होंने देश के विश्व गुरू के रूप में और आगे बढ़ने की भी प्रार्थना की देवनानी ने शुक्रवार को नवमी के दिन चामुण्डा माता मन्दिर, नौसर माता मन्दिर, भक्ति धाम माता मन्दिर, जतोई दरबार, अम्बे माता मन्दिर बजरंग गढ़, चांद बावड़ी माता जी का मन्दिर, काली माता मन्दिर रामगंज, चामुण्डा माता मन्दिर, फॉयसागर रोड़ स्थित काली माता मन्दिर आदि मन्दिरों के दर्शन किए। उन्होंने देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रार्थना कि कि विश्व गुरू के रूप में देश का वर्चस्व पूरे विश्व में और बढ़े।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने ली बैठक, दिये बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के दिए निर्देश

जन-जन की सेवा और कल्याण ही सरकार का ध्येय झ्रसरकार हर वर्ग के सर्वांगीण कल्याण हेतु प्रतिबद्ध

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 अक्टूबर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं प्रतापगढ़ जिला प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने शुक्रवार को प्रतापगढ़ जिला कलेक्ट्रेट में बैठक लेकर अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं की समीक्षा की। बैठक में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, जिला कलक्टर डॉ. अंजलि सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।इस बैठक में उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई प्रगति का अवलोकन किया और सुनिश्चित किया कि सभी योजनाओं और परियोजनाओं का समय पर और प्रभावी क्रियान्वयन हो। डॉ. बैरवा ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट में घोषित सभी योजनाओं और परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के हित में कार्य करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए सभी विभागों को एकजुट होकर काम करना होगा।

- **सरकार घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर गंभीर -डॉ. बैरवा**

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट घोषणाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए वे नियमित रूप से जिला प्रशासन के साथ समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने विभागों में बजट घोषणाओं के अनुसार काम में तेजी लाएं और किसी भी प्रकार की देरी या अड़चनों को तुरंत सुलझाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सरकार इसे लेकर गंभीर है और इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

- **आमजन का कल्याण हमारा ध्येयझ्र राजस्व मंत्री**

इस अवसर पर राजस्व मंत्री श्री मीणा ने कहा कि जिले का हर क्षेत्र में विकास करना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को कहा की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति व सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र तक पहुंचाने को प्राथमिकता दे।उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की सेवा है और इसके लिए सभी योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे इस दिशा में समर्पण के साथ कार्य करें और बजट घोषणाओं को समय पर पूर्ण करें।

- **पेयजल, सड़क व मौसमी बीमारी के बारे में की चर्चा -**

उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा ने बजट घोषणाओं की समीक्षा के उपरांत पेयजल, बिजली व जिले में आधारभूत सुविधा के बारे में अधिकारियों से पूछ कर विस्तृत रूप से चर्चा की व कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यही विजन है कि सभी बजट घोषणाओं को धरातल पर जल्द से जल्द उतारा जाए। साथ ही उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में पूछते हुए जिले में मरीजों की संख्या के बारे में पूछा व कहा की मौसमी बीमारियों को लेकर आवश्यक तैयारियां रखें। उन्होंने संपर्क पोर्टल के बारे में चर्चा करते हुए कुल प्रकरण और लंबित प्रकरणों की स्थिति जानी व कहा कि आमजन की समस्याओं का समय सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण रूप से निस्तारण किया जाए।

- **उप मुख्यमंत्री ने की विभागवार घोषणाओं की समीक्षा-**

बैठक में डॉ बैरवा ने राज्य बजट 2024-25 अंतर्गत 3 हजार 530 करोड़ रुपये की लागत से जाखम बांध आधारित वृहद पेयजल परियोजना, 220 केवी के पन्द्रह ऋ्र व संबधित लाइनों का चरणबद्ध रूप से विस्तार व निर्माण,132 केवी - सुहागपुरा. बम्बोरी (छोटी सादड़ी)- प्रतापगढ़, में 132 केवी जीएसएस निर्माण कार्य, 4 करोड़ रुपये की लागत से प्रतापगढ के पश्चिमी भाग में बाईपास चित्तौडगढ़ रोड से धरियावाद रोड होते हुए बांसवाडा रोड तक अर्द्धचान्द्राकार रिंग रोड, सड़क कार्यों ,18 करोड़ रुपये की लागत से पीपलखूंट से केलामेला सड़क का चौड़ाईकरण,गौतमेश्वर मंदिर अरनोद में विकास कार्य,धरियावद-प्रतापगढ़, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों से उप जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन, जर्जर भवन वाले समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग प्रतापगढ़ के प्रतापगढ़ एवं अरनोद छात्रावासों का पुननिर्माण आदि सहित विभिन्न घोषणाओं के बारे में विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

राजधानी जयपुर में आज होगा 105 फीट के रावण का विधिवत दहन

जयपुरवासी देखेंगे रावण की आंखों और मुंह से निकलनें वाले आग के गोले

बुराई पर अच्छाई की जीत का होगा महासंग्राम

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। विजय दशमी के अवसर पर जयपुर के राजापार्क विद्याधर नगर मानसरोवर और मालवीय नगर में रावण दहन होगा। इस दौरान शाही लवाजमें के साथ शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। रावण दहन से पहले अनेक जगहों पर भव्य आतिशबाजी की जाएगी। श्री राम मंदिर प्रन्यास, श्री सनातन धर्म सभा की ओर से विशाल दशहरा महोत्सव आदर्श नगर के दशहरा मैदान में शनिवार को आयोजित किया जाएगा। सभा के महामंत्री अनिल खुराना ने बताया- इस बार रावण का विशालकाय पुतला 105 फीट का और कुंभकर्ण का पुतला 90 फीट का बनाया गया है। उन्होंने बताया सभा की ओर से सन 1956 से दशहरा महोत्सव मनाया जा रहा है। इस बार के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा होंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद मंजू शर्मा करेंगी।वहीं, विशिष्ट अतिथि मेयर सौम्या गुर्जर और कुसुम यादव, विधायक कालीचरण सराफ और रफीक खान होंगे। विशेष आमंत्रित समाजसेवी विवेक लड्ढा, भाजपा नेता अशोक परनामी, सरदार अजय पाल सिंह, रवि नय्यर होंगे। क्षेत्रीय पार्षद स्वाति परनामी, ऋचु मोतियानी, घनश्याम चंदलानी नीरज अग्रवाल एवं युवा समाजसेवी और पार्षद प्रत्याशी आशीष मेहता भी आमंत्रित किए गए हैं।

आतिश बाजी में दिखेगा नियाग्रा फॉल

» कार्यक्रम संयोजक राजीव मनचंदा ने बताया– इस बार रावण दहन से पूर्व भव्य आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया है। आतिशबाजी में नियाग्रा फॉल के जैसा नजारा होगा। रंगीन झरने बहेंगे। सावन भादो में जैसे आसमान से पानी की बूंदें बरसती हैं। ऐसे ही आतिशबाजी की छोटी छोटी बूंदें आसमान से बरसेंगीं। आसमान में स्टार वार जैसा नजारा लोगोंको रोमांचित करेगा। वहीं, आसमान से अशर्फियां बरसेंगी, जमीन से सुनहरी अनार छूटेंगे। बीच बीच में घूमकेतू जैसा नजारा दिखाई देगा।हवाई मछलियां आकाश पर पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण दौड़ेंगी। कहीं कहीं आसमानी आक्टोपस रंगीनियां बिखेरेंगे। बांस पर घूमती चकरियां आकर्षण का केंद्र होंगी।

श्रीराम मंदिर से निकलेगी शोभायात्रा

» रामलीला संयोजक केशव बेदी ने बताया दोपहर तीन बजे श्री राम मंदिर से शोभायात्रा आरंभ होगी। इसमें लवाजमें के साथ भगवान राम और लक्ष्मण के स्वरूप विराज मान होंगे। महेंद्र बैंड भक्ति संगीत की स्वर लहरियां बिखेरते चलेगा। शोभायात्रा राम मंदिर से पंचवटी सर्किल, राजापार्क चौराहा, ध्रुव मार्ग, लक्ष्मी नारायण मंदिर, कृष्ण परनामी मंदिर, कृष्णा मंदिर, बीस दुकान, स्वामी नंदराम मंदिर, स्वामी गंगादास मंदिर, बर्फ खाना, मामा की होटल, पुलिया नंबर 1 से होती वापिस दशहरा मैदान पहुंचेगी।

एसओजी एडीजी वीं के के निर्देशन में एसआई भर्ती परीक्षा 2021 के मामले हुआ बड़ा खुलासा

बीस लाख रुपए में पेपर खरीदकर पूर्व विधायक रामहेत का भतीजा बना एसआई

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती पर-ीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में नित नए खुलासे कर रही है। जहां एक पूर्व विधायक के भतीजे का बीस लाख रुपए में पेपर खरीदकर उसके माध्यम से एसआई बना है।एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया कि तीन ट्रेनी एसआई ने हरियाणा की गैंग से बीस- बीस और चालीस लाख रुपए में पेपर खरीदा था। इनमें अलवर के किशनगढ़बास के पूर्व विधायक रामहेत यादव का भतीजा नीरज यादव निवासी राजदोकी (अलवर), रेणू कुमारी चौहान निवासी कोलिला (अलवर), मोनिका जाट निवासी नूनिया गोठ-ड़ा (झुंझुनूं) और सुरजीत सिंह

● हरियाणा गैंग की तलाश में जुटी एसओजी

यादव निवासी हरदास का बाग, अजीतगढ़ (नीमकाथाना) शामिल है। पूछताछ के दौरान मोनिका ने कबूला कि एक परिचित से चालीस लाख रुपए देकर हरियाणा की गैंग से पेपर खरीदा था। सुरजीत और नीरज ने भी बीस-बीस लाख रुपए देकर एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर खरीदा था। एसओजी अब यह जांच कर रही है कि पेपरलीक में यूनिक भांभू का हाथ है या हरियाणा की गैंग ने खुद इसे लीक करवाया। आरोपी नीरज अलवर के किशनगढ़बास के पूर्व विधायक रामहेत यादव का भतीजा है। वहीं, गिरफ्तार की गई रेणू 2006 बैच की कॉन्स्टेबल है, जो जयपुर कमिश्नरेट में नियुक्त थी। एसआई भर्ती 2021 में रेणू का अजमेर के सेंट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एग्जाम सेंटर आया था। उसने पेपर नहीं खरीदा था, लेकिन नकल करके एग्जाम पास किया था।एसओजी की टीम हरियाणा सहित विभिन्न जगहों पर छापेमारी कर रही है। आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही पता चल सकेगा कि गैंग ने कहां-कहां और किस-किसको पेपर बेचे हैं। एसओजी की पूछताछ में गिरफ्तार ट्रेनी एसआई से कई खुलासे होने की संभावना है।एसआई भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 50 ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी

22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल ने किया संन्यास का एलान

मुल्तान/एजेंसी। महान टेनिस स्टार राफेल नडाल ने संन्यास का एलान कर दिया है। 38 साल के नडाल ने एक इमोशनल वीडियो जारी करते हुए सभी फैंस को शुक्रिया कहा। 22 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे नडाल ने बताया कि डेविस कप उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा, जो उनके देश स्पेन में ही खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के नॉकआउट राउंड्स 10 से 24 नवंबर के बीच खेले जाएंगे। नडाल ने अपने एक्स पर लिखा कि मैं प्रोफेशनल टेनिस से रिटायर हो रहा हूं। पिछले कुछ साल काफी मुश्किल भरे रहे हैं। खासतौर से पिछले 2 साल में चुनौतीपूर्ण रहा। यह एक बहुत ही मुश्किल फैसला है, लेकिन जीवन में हर चीज की शुरुआत और अंत होती है। दरअसल, टेनिस के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक राफेल नडाल ने खेल से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने एक इमोशनल वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने शानदार करियर के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस दौरान अपने हालिया संघर्षों और खेल के कारण अपने शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभाव के बारे में भी बताया। बता दें कि राफेल का ये आखिरी सीजन होने वाला है और उनका अंतिम पेशेवर मैच नवंबर में डेविस कप फाइनल में होगा।

टूट गया 39 साल का महारिकॉर्ड

टेस्ट क्रिकेट में जो रूट और हैरी ब्रूक ने रच दिया इतिहास

मुल्तान/एजेंसी।

पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जो रूट और हैरी ब्रूक ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से गदर मचा दिया। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ हैरी ब्रूक और जो रूट का भयंकर तूफान देखने को मिला है। इन दोनों ही बल्लेबाज ने पाकिस्तानी गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए अपने-अपने दोहरे शतक पूरे किए। इसी के साथ ही जो रूट और हैरी ब्रूक ने इतिहास रच दिया है। हैरी ब्रूक और जो रूट ने मिलकर टेस्ट क्रिकेट में 39 साल पुराना महारिकॉर्ड तोड़ दिया है. 1985 के बाद यह पहला मौका है जब इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही टेस्ट पारी के दौरान अपने-अपने दोहरे शतक पूरे किए हैं. लंच ब्रेक तक जो रूट ने 368 गेंदों में 259 रन बना लिए हैं. वहीं, हैरी ब्रूक 257 गेंदों में 218 रन बनाकर नाबाद हैं. हैरी ब्रूक और जो रूट के बीच चौथे विकेट के लिए 409 रनों की पार्टनरशिप हो चुकी है. लंच ब्रेक तक पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 130 ओवर में 3 विकेट पर 658 रन बना लिए थे। जो रूट और हैरी ब्रूक ने एक ही टेस्ट पारी के दौरान अपने-अपने दोहरे शतक पूरे कर इतिहास रच दिया है।

फोर्ब्स ने जारी की 2024 की भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सूची

मुकेश अंबानी पहले स्थान पर जबकि दूसरे स्थान पर हैं गौतम अडानी

नयी दिल्ली/एजेंसी

फोर्ब्स की 2024 की सबसे अमीर भारतीयों की सूची में मुकेश अंबानी पहले स्थान पर हैं, गौतम अडानी दूसरे स्थान पर हैं । फोर्ब्स ने अपनी 2024 की भारत के 100 सबसे अमीर सूची जारी की है, जिसमें दिखाया गया है कि देश के दिग्गजों की संपत्ति सामूहिक रूप से ट्रिलियन डॉलर के मील के पत्थर को पार कर गई है। भारत के सबसे अमीर लोगों की सामूहिक संपत्ति ट्रिलियन डॉलर के मील के पत्थर को पार करते हुए 1.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह 2019 में उनके मूल्य का दोगुना है, अकेले पिछले 12 महीनों में लगभग 316 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। देश के सबसे अमीर सख्श और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने फोर्ब्स की लिस्ट में नंबर 1 पर जगह कायम रखी है, फोर्ब्स 2024 के 100 सबसे भारतीय टाइकून के लिस्ट में सबसे टॉप पर मुकेश अंबानी है। फोर्ब्स रिपोर्ट के अनुसार अडानी पिछले एक साल में सबसे ज्यादा प्रॉफिट कमाने वाले शख्स है । अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी का नेट वर्थ 116 बिलियन बिलियन डॉलर है । गौतम अडानी ने अपने भाई विनोद अडानी के साथ नेट वर्थ में कुल 48 बिलियन डॉलर जोड़े।

हरियाणा में कॉंग्रेस की हार के बाद राहुल गांधी का फूटा गुस्सा

कहा- पार्टी की जगह नेताओं ने देखा अपना हित

नयी दिल्ली/एजेंसी

हरियाणा विधानसभा चुनावों में मिली हार की कांग्रेस वजह तलालने में जुटी हुई है। गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली हार को लेकर बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी शामिल हुए। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने इस बैठक में नेताओं को खरी-खरी सुनाई है। राहुल गांधी ने कहा कि नेताओं ने पार्टी की जगह अपना हित पहले देखा है।

पार्टी नहीं पहले अपना हित देखा : राहुल

» बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में नेताओं का इंटरेस्ट ऊपर रहा, पार्टी का इंटरेस्ट नीचे चला गया। दरअसल, यह बात राहुल गांधी ने किसी भी नेता का नाम नहीं लेकर कही है। वहीं बैठक की जानकारी देते हुए कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि नतीजों के बाद हमने समीक्षा बैठक की है। सारे एग्जिट पोल हमको जिता रहे थे, हम जीत को लेकर आश्वस्त भी थे। हमने हार की समीक्षा की है। ईवीएम से लेकर नेताओं में मतभेदों पर भी बैठक में चर्चा हुई है। आगे क्या करना है वो जल्दी सामने रखेंगे।

ये नेता थे बैठक में मौजूद

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हरियाणा विधानसभा चुनावों में मिली हार को लेकर पार्टी की समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन और अशोक गहलोत मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्डन ने लेबनान से 44 नागरिकों को सुरक्षित निकाला

अम्मान, एजेंसी। जॉर्डन ने अपने 44 नागरिकों को लेबनान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। ये सभी सैन्य बलों के विमान से स्वदेश लौटे। शिन्हुआ ने जॉर्डन की सरकारी पेट्रा समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि, जॉर्डन सशस्त्र बल-अरब सेना द्वारा संचालित निकासी विमान, मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सोमवार सुबह लेबनान के राफिक हरीरी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। जॉर्डन के क्वीन आलिया अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के पहुंचने पर, जॉर्डन के उप प्रधान मंत्री और विदेश मामलों के मंत्री अयमान सफादी ने कहा कि यह समूह लेबनान में जॉर्डन के सबसे बड़े लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, जो बढ़ते क्षेत्रीय संघर्षों के बीच घर लौटना चाहते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में जॉर्डन के विदेश मामलों और प्रवासी मंत्रालय द्वारा सफादी के हवाले से कहा गया, पहली प्राथमिकता लेबनान के खिलाफ आक्रामकता को रोकना है, और दूसरी, या समानांतर प्राथमिकता, लेबनान की तत्काल जरूरत के मद्देनजर सहायता पहुंचाना है। सफादी ने गाजा और वेस्ट बैंक दोनों में युद्ध विराम का भी आह्वान किया। मंत्रालय के अनुसार, अगस्त से अब तक 3,219 जॉर्डन के लोग विमान से लेबनान से स्वदेश लौटे हैं।

इथियोपियाई संसद ने विदेश मंत्री को बनाया नया राष्ट्रपति

अदीस अबाबा, एजेंसी। इथियोपियाई संसद के दोनों सदनों ने सोमवार को विदेश मंत्री ताये अत्सके सेलासी को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया। यह नियुक्ति वर्तमान राष्ट्रपति साहले-वर्क जेवडे के कार्यकाल की समाप्ति के बाद की गई, जिन्होंने देश के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में छह वर्ष तक सेवा की थी। नवनियुक्त राष्ट्रपति ने सोमवार को इथियोपिया के हाउस ऑफ पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव्स और हाउस ऑफ फेडरेशन के सदस्यों के समक्ष अफ्रीका के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश के नए नेता के रूप में शपथ ली। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, तीन दशकों के राजनयिक करियर के साथ, जिसमें संयुक्त राष्ट्र में इथियोपिया के स्थायी प्रतिनिधि के रूप में उनकी भूमिका भी शामिल है, अत्स्के सेलासी ने इस वर्ष फरवरी से अपनी नई नियुक्ति तक देश के विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया है। बता दें कि देश के विदेश मंत्री के रूप में नियुक्ति से पहले, उन्होंने प्रधानमंत्री अबी अहमद के विदेश नीति सलाहकार का पद भी संभाला था। जेवडे को अक्टूबर 2018 में इथियोपिया की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुना गया था।

मेक्सिको में पदभार संभालने के 6 दिन बाद मेयर की हत्या

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के गुएरेरो राज्य के चिलपानसिंगो शहर के मेयर एलेजांद्रो आर्कोस की पदभार ग्रहण करने के छह दिन बाद हत्या कर दी गई। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। गुएरेरो राज्य की गवर्नर एवलिन सालगाडो ने सोशल मीडिया पर लिखा, उनके निधन से पूरा गुएरेरो समाज शोक में है। हम आक्रोश से भर गए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि आर्कोस को जून में विपक्षी गठबंधन के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया था जिसमें इंस्टिट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) शामिल थी। उनकी हत्या के बाद, पीआरआई ने अपराध को कायरतापूर्ण बताते हुए इसकी निंदा की और इंसाफ की मांग की। पीआरआई के अध्यक्ष एलेजांद्रो मोरेनो के अनुसार, आर्कोस की हत्या चिलपेंसिंगो के नगर परिषद के सचिव फ्रांसिस्को तापिया की हत्या के तीन दिन बाद हुई। राज्य अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि उसने आर्कोस की हत्या की जांच शुरू कर दी है। ग्युरेरो, मेक्सिको के सबसे गरीब राज्यों में से एक है। इस राज्य ने ड्रग उत्पादन और तस्करी पर नियंत्रण के लिए लड़ने वाले कार्टेलों के बीच के हिंसक संघर्षों को वर्षों तक झेला है।

अमेरिका ने कहा- बांग्लादेश में सुरक्षित नहीं अल्पसंख्यक, अंतरिम सरकार करे अधिकारों की रक्षा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। अमेरिका ने कहा है कि वह चाहता है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा हो। देश में अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले हिंदू अपना सबसे बड़ा त्योहार दुर्गा पूजा मना रहे हैं। अमेरिका का यह बयान बांग्लादेश में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और अगस्त में उनके भारत चले जाने के बाद अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर बढ़ते हमलों के मद्देनजर आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''निश्चित ही, हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा होते देखना चाहते हैं। मिलर से कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा हिंदू समुदाय को उनके सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के दौरान दी जा रही धमकियों के बारे में सवाल पूछा गया था जिसके जवाब में उन्होंने ये बातें कहीं। भारत ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से दक्षिण एशियाई देश में हिंदू समुदाय के लिए शांतिपूर्ण धार्मिक आयोजन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंदुओं सहित 600 से अधिक लोग मारे गए जिसके परिणामस्वरूप हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा।

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान पर लगाए अपहरण करवाने के आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच अधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच और सम्मी दीन बलूच ने पाकिस्तान सरकार पर बड़े आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि पाकिस्तान सरकार ने उन्हें न्यूयॉर्क जाने से रोक दिया. दोनों कार्यकर्ताओं को टाइम मैगजीन के समारोह में शामिल होना था. टाइम मैगजीन की ओर से सबसे प्रभावशाली उभरते नेताओं के रूप में नामित कर उन्हें अन्य नेताओं के साथ आमंत्रित किया गया था. इतना ही नहीं उनका आरोप है कि पाकिस्तानी पुलिस ने उनका अपहरण करने की कोशिश की. हालांकि, दोनों किसी तरह सुरक्षित घर पहुंची. एक्स पर एक पोस्ट में महरंग बलूच ने आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी कानूनी औचित्य के हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया और इसे आवागमन की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया. उन्होंने बलूच की आवाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनने से रोकने और बलूचिस्तान में दशकों से हो रहे मानवाधिकारों के हनन को छिपाने का प्रयास बताया. महरंग बलूच ने एक्स पर कहा, आज, मुझे न्यूयॉर्क जाना था, टाइम मैगजीन के समारोह में भाग लेने के लिए. मैगजीन के समारोह में मुझे अन्य नेताओं के साथ आमंत्रित किया गया था. जिन्हें टाइम पत्रिका द्वारा वर्ष के सबसे प्रभावशाली उभरते नेताओं के रूप में नामित किया गया था. हालाँकि, मुझे बिना किसी कानूनी या वैध कारण के कराची अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अन्यायपूर्ण तरीके से रोक दिया गया. यह

आवागमन की स्वतंत्रता के मेरे मौलिक अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन है. यह कार्रवाई बलूच आवाजों के प्रति राज्य के बढ़ते डर और असुरक्षा को दर्शाती है. मेरी यात्रा को रोकने का कोई वैध उद्देश्य नहीं था, सिवाय इसके कि बलूच आवाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनने से रोका जाए, बलूचिस्तान की स्थिति के बारे में सूचना के प्रवाह को नियंत्रित किया जाए और बलूचिस्तान में दशकों से हो रहे मानवाधिकारों के हनन को छुपाया जाए. मुझे यात्रा करने के अधिकार से वंचित करके, पाकिस्तानी सरकार मुझे अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आवागमन के अधिकारों का प्रयोग करने से रोकना चाहती है. यह मनमाना यात्रा प्रतिबंध बलूच मानवाधिकार रक्षकों और कार्यकर्ताओं पर बढ़ती कार्रवाई का हिस्सा है. मैं अपने आवागमन के अधिकारों पर इस अन्यायपूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ लड़ूंगी. आगे कहा, मुझे सिंध में न्यूयॉर्क जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया, जो भुट्टो जरदारी का गृह प्रांत है, जो खुद को लोकतंत्र और मानवाधिकारों के चैंपियन के रूप में पेश करते हैं. विडंबना यह है कि मेरे अधिकारों का यह उल्लंघन उनके ही निगरानी में हो रहा है. मुझे दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में से एक टाइम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जाना था.

मानवाधिकार कार्यकर्ता सम्मी दीन बलूच ने पाकिस्तानी पुलिस पर लगाए बड़े आरोप : मानवाधिकार कार्यकर्ता सम्मी दीन बलूच ने पाकिस्तान के पुलिस प्रशासन पर बड़े आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि लौटने के दौरान रास्ते में पुलिस द्वारा उन्हें परेशान किया गया. उन्होंने एक्स पर लिखा, हम सुरक्षित और स्वस्थ घर पहुंच गए हैं. डॉ. महरंग बलोच मेरे साथ हैं और वे सुरक्षित हैं. कराची एयरपोर्ट से निकलने के कुछ ही मिनटों बाद सादे कपड़ों में कुछ पुरुष पुलिस अधिकारियों ने हमें गायब करने के इरादे से हमारी कार को रोक दिया. हमारे बहुत प्रतिरोध के बाद वे हमें सुनसान अंधेरी सड़क पर छोड़कर चले गए. सम्मी दीन ने आगे कहा, पुरुष पुलिस अधिकारियों और कुछ सिविल ड्रेस में कुछ लोगों ने हमारे कपड़े और दुपट्टे खींचे, हमारी तलाशी ली, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और हमारे सामान की जांच की. उन्होंने महरंग बलोच का मोबाइल फोन, पासपोर्ट और अन्य सामान जब्त कर लिया।

ईरान ने परमाणु परीक्षण किया? भूकंप के झटकों से अटकलें हुई तेज

तेहरान, एजेंसी। इजरायल के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच 5 अक्टूबर को ईरान के सेमनान प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 4.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया. भूकंप का केंद्र कथित तौर पर सतह से लगभग 10 किलोमीटर नीचे और एक ईरानी न्यूक्लियर एनर्जी प्लांट के करीब था. भूकंप के समय और परमाणु सुविधा के करीब होने के कारण इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि ईरान ने परमाणु बम का परीक्षण किया है.

हालांकि, किसी भी ईरानी अधिकारी ने इन अटकलों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है, लेकिन लोगों के एक वर्ग ने नक्शे और ग्राफ शेयर किए हैं, जिनमें बताया गया है कि यह एक परमाणु घटना कैसे हो सकती है. एक सोशल मीडिया यूजर के अनुसार भूकंप के झटके भूमिगत बम परीक्षण स्थल पर परमाणु हथियार हो सकते हैं, या हो सकता है ईरान ने पारंपरिक हथियारों का उपयोग करके फेक परमाणु परीक्षण किया हो. एक अन्य यूजर ने लिखा, कल ईरान में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया. अफवाहें हैं कि यह परमाणु परीक्षण था. फरवरी 2013 में उत्तर कोरिया में आए भूकंप को भी परमाणु परीक्षण बताया गया था. नवंबर 2017 में ईरान में आए भूकंप को भी परमाणु परीक्षण बताया गया था।

पाकिस्तान में परेशान हो गया जाकिर नाइक, भारत और हिंदुओं की करने लगा तरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले जाकिर नाइक ने यात्रा के दौरान छूट नहीं देने के लिए

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की आलोचना की है। विवादित इस्लामी उपदेशक मलेशिया से पाकिस्तान की यात्रा के दौरान अतिरिक्त सामान के लिए शुल्क माफ नहीं करने से परेशान था। आपको बता दें कि आर्थिक तंगी झेल रहे पीआईए ने उसके सामानों पर सिर्फ 50 प्रतिशत की छूट की पेशकश की थी। जाकिर नाइक 1 अक्टूबर को पाकिस्तान पहुंचा और 28 अक्टूबर तक वहां रहने वाला है। उसने कराची में समर्थकों को संबोधित करते हुए ये बातें कही हैं। उसने कहा, जब मैं पाकिस्तान आ रहा था, तो हमारे सामान का वजन करीब 1000 किलोग्राम था। मैंने पीआईए के सीईओ से बात की। स्टेशन मैनेजर ने मुझे आश्वासन दिया कि वह मेरे लिए कुछ भी करने को तैयार है। जब मैंने उन्हें बताया कि मेरे पास 500 से 600 किलोग्राम अतिरिक्त सामान है और मेरे साथ छह लोग यात्रा कर रहे हैं तो उन्होंने मुझे 50 प्रतिशत छूट की पेशकश की। मैंने उनसे कहा कि या तो सामान मुफ्त में दे दें या छोड़ दें। मैंने छूट लेने से मना कर दिया। जाकिर नाइक ने दावा किया कि जब कोई गैर-मुस्लिम उसे भारत में देखता है तो वे उसे मुफ्त में जाने देता है। उसने पूछा, यह भारत है जहां लोग डॉ. जाकिर नाइक को देखते हैं और 1,000 से 2,000 किलोग्राम अतिरिक्त सामान माफ कर देते हैं। लेकिन पाकिस्तान में मैं सरकार का मेहमान हूं और मेरे वीजा पर राज्य अतिथि लिखा हुआ है। इसके बावजूद पीआईए सीईओ मुझे 50 प्रतिशत छूट दे रहे हैं।

जाकिर नाइक ने शिकायत की कि एयरलाइंस ने उनसे हर 1 किलो अतिरिक्त सामान के लिए 101 मलेशियाई रिंगिट (लगभग 2,137 रुपये) का शुल्क लिया। उसने दुख जताते हुए कहा, मुझे बहुत दुख हुआ कि पीआईए मुझे राजकीय अतिथि के तौर पर 300 किलो अतिरिक्त सामान ले जाने की अनुमति भी नहीं दे सका।

इजरायल-ईरान जंग में कूदेगा चीन? लेबनान को बड़ी मदद भेजने का कर दिया ऐलान

हांगकांग, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में इजरायल और ईरान के बीच सीधी जंग की आशंका के बीच अब चीन भी इसमें कूदता नजर आ रहा है। चीन की आधिकारिक विदेशी सहायता एजेंसी, चाइना इंटरनेशनल डेवलपमेंट कोऑपरेशन एजेंसी ने मंगलवार को कहा है कि चीन युद्धग्रस्त लेबनान को आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करेगा। वहीं लेबनान में इज़राइल ने हिज़्बुल्लाह पर हमले की तीव्रता और बढ़ा दी है। वहीं हिजबुल्लाह ने भी सोमवार को इजरायल के हाइफा शहर में 100 से ज्यादा मिसाइलें बरसाई हैं। चीन की इस सरकारी एजेंसी के प्रवक्ता ली मिंग ने एक बयान में कहा है कि हाल ही में जंग बढ़ने के बाद लेबनान में कई जगहों पर विस्फोट और हवाई हमले हुए हैं जिससे बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। बयान में कहा गया है, लेबनान सरकार के अनुरोध पर चीनी सरकार ने लेबनान को स्वास्थ्य सुविधा में मदद करने के लिए आपातकालीन मानवीय चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करने का फैसला लिया है। चीन ने इससे पहले भी लेबनान को मदद का आश्वासन दिया था। पिछले महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले महीने लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला हबीब से मुलाकात की थी और समर्थन का भरोसा दिया था।

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर दागी 135 मिसाइलें, जवाब में लेबनान भी दहला; 120 ठिकाने तबाह

लेबनान, एजेंसी। इजरायली सेना लेबनान और गाजा में हिजबुल्लाह और हमास के खिलाफ जंग जारी रखे हुए है। कुछ दिन पहले इजरायली सेना ने लेबनान में एक साथ 1600 ठिकानों पर हमला किया और हिजबुल्लाह को कड़ी चोट पहुंचाई थी। सोमवार को हिजबुल्लाह ने सप्ताहभर में इजरायल पर दूसरा बड़ा हमला किया। उसने तीसरे बड़े शहर हाइफा में 135 फादी 1 मिसाइले दागी। जवाब में इजरायल ने भी लेबनान को दहलाया। हिजबुल्लाह के 120 ठिकानों पर बमबारी की और उन्हें तबाह कर दिया।

इज़रायली सेना ने कहा कि उसने सोमवार को व्यापक हमलों के तहत 60 मिनट की अवधि के भीतर दक्षिणी लेबनान में 120 से अधिक हिजबुल्लाह ठिकानों पर हमला किया और उन्हें तबाह कर दिया। सेना ने एक बयान में कहा, आईएएफ (वायु सेना) ने एक व्यापक हवाई अभियान चलाया और एक घंटे के भीतर दक्षिणी लेबनान में 120 से अधिक आतंकी ठिकानों पर हमला किया।

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर दागी 135 मिसाइलें : हिज़्बुल्लाह ने सोमवार को इज़रायल के तीसरे सबसे बड़े शहर हाइफ़ा पर रॉकेट दागे। गाजा में इजरायल से लड़ने वाले फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के सहयोगी, ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने 135 फादी 1 मिसाइलों के साथ हाइफा के दक्षिण में एक सैन्य अड्डे को निशाना बनाया। इज़रायल की सेना ने कहा कि सोमवार शाम 5 बजे तक

इज़राइली क्षेत्रों बमबारी हुई। हमले से मध्य इज़राइल के हाइफ़ा क्षेत्र में दस लोगों और दक्षिण में दो अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है।

खामेनेई बोले- 7 अक्टूबर फिलिस्तीनियों के लिए बेजोड़ याद

ईरान ने सोमवार को इजरायल पर हमास के 7 अक्टूबर के हमले को फिलिस्तीनियों के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा- अल-अक्सा ऑपरेशन ने ज़ायोनी शासन को 70 साल पीछे धकेल दिया है। बता दें कि पिछले साल सात अक्टूबर को हमास ने दक्षिण इजरायल पर 20 मिनट में 5000 से अधिक मिसाइल दागी और 1200 लोगों को मार डाला। इसके बाद सीमा में घुसपैठ करके जमकर कत्लेआम किया। 250 से अधिक लोगों को बंधक बना दिया और सैकड़ों को मार डाला।

लेबनान हमले में कई निर्दोषों की जान गई : लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हवाई हमलों में 11 लोग मारे गए और 17 अन्य घायल हो गए हैं। लेबनान के आधिकारिक और सैन्य सूत्रों ने सोमवार को बताया कि रविवार रात इजरायली हमले में 11 लेबनानी मारे गये और 17 लोग घायल हो गये। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, माउंट लेबनान गवर्नरेट के एले जिले के कायफौन गांव में एक आवासीय इमारत पर इजरायली हवाई हमले में छह लोग मारे गए और 13 अन्य घायल हो गए।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर मनाई गई दुर्गा पूजा, लोगों में दिखा भारी उत्साह

न्यूयॉर्क , एजेंसी। भारतीय संस्कृति की धूम अब देश ही नहीं दुनिया में भी गूंज रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और रूस से लेकर दुनिया के कई देश सनातन धर्म को तेजी से अपना रहे हैं। ऐसा ही एक नजारा अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर पर नजर आया। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भारतीय और अमिरिकी लोगों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम बंगाली क्लब की ओर से आयोजित किया गया था।

बता दें कि देश में कोलकाता का दुर्गा पांडाल सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने रविवार को दक्षिण कोलकाता के सुरुचि संघ क्लब दुर्गा पूजा पंडाल का दौरा किया। पूर्व कैरेबियाई क्रिकेटर ने कहा कि दुर्गा पूजा एक अद्भुत त्योहार है। उन्होंने कहा कि त्योहार के मौसम में कोलकाता में यह उनका पहला मौका था। लारा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह (दुर्गा पूजा) एक अद्भुत त्योहार है। मैं पहली बार यहाँ आया हूँ। जब भी मैं भारत में होता हूं खासकर आज जैसे दिन

कोलकाता में तो हर कोई जो प्यार और प्रशंसा दिखाता है, वह बहुत खास है। दुर्गा पूजा को दुर्गोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। देवी दुर्गा के सम्मान में प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, क्योंकि देवी दुर्गा ने राक्षस महिषासुर को हराया था। यह त्योहार आम तौर पर 10 दिनों (नवरात्रि) तक चलता है, जिसमें मुख्य उत्सव अंतिम चार दिनों (सप्तमी, अष्टमी, नवमी और विजयादशमी) के दौरान होता है। वहीं, महाराष्ट्र में मुंबई महानगर और उसके उपनगरों में रहने वाले लाखों बंगाली भाषी लोग दुर्गा पूजा की तैयारी में जुटे हुए हैं। देश के 'प्रमुख शहरी क्षेत्र मुंबई में दुर्गा पूजा का इतिहास एक सदी से भी पुराना है। करीब एक सदी पहले पश्चिम बंगाल से इस पश्चिमी भारतीय राज्य में लोगों की आवाजाही बढ़ी थी। गौरतलब है कि वृहन मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय के जुड़वां जिले और तटीय कोंकण क्षेत्र के पड़ोसी पालघर, ठाणे और रायगढ़ जिले शामिल हैं और इन जगहों पर 150 से 200 से अधिक सार्वजनिक पूजाएं होती हैं।

हमास चीफ याह्या सिनवार जिंदा है, कतर से साधे संपर्क; रिपोर्ट में बड़ा दावा

दोहा, एजेंसी। हमास लीडर याह्या सिनवार जिंदा है और उसने चुपचाप कतर से संपर्क भी साधे हैं। इजरायली मीडिया आउटलेट द यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब इजरायल की ओर से सिनवार की संभावित मौत को लेकर जांच जारी है। ऐसा माना जा रहा था कि गाजा स्थित एक स्कूल शेल्टर पर हुए रॉकेट स्ट्राइक में सिनवार मारा गया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट के इस दावे को कतर के एक सीनियर अधिकारी ने खारिज कर दिया कि हमास नेता ने सीधा संपर्क बनाया था। उन्होंने कहा कि हमास के सीनियर लीडर खलील अल-हयाह के जरिए कॉन्टैक्ट हुआ था।

इजरायल ने 21 सितंबर को गाजा पर जोरदार हवाई हमला बोला था। ऐसा माना गया कि सिनवार की इसमें मौत हो गई क्योंकि उसने लंबे समय तक ऑफिशियल चैनल्स से कोई संपर्क नहीं साधा। इजरायली सेना का कहना रहा कि उसने अपनी एयर स्ट्राइक में हमास कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हालांकि, फिलिस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारी दावा करते रहे हैं कि इस हमले में महिलाओं ओर बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हुई। बाद में मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायल के अधिकारी खुद इसकी जांच करने में जुटे हैं कि सिनवार मारा गया है या नहीं। पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल में घुसकर हमास के लड़ाकों ने जो हमला किया था, उसका

मास्टरमाइंड सिनवार ही था। इस साल अगस्त में सिनवार को हमास चीफ बनाया गया था, ईरान में इस्माइल हानियेह की हत्या के बाद उसे यह जिम्मेदारी मिली थी। साल 1962 में जन्मे सिनवार को हमास के शुरुआती सदस्यों में से एक माना जाता है, जिसका गठन 1987 में हुआ। उसने इस आतंकी गुट के सिक्योरिटी विंग का कार्यभार संभाला, जिसका काम संगठन को इजरायल के जासूसों से बचाए रखना है। इस बीच, हमास के मुख्य वार्ताकार और उप गाजा प्रमुख खलील अल-हय्या ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गाजा में बमबारी शुरू होने के एक साल बाद और हमास के लचीलेपन के बावजूद इजरायल अब भी संघर्ष विराम समझौते को रोक रहा है। अल हय्या ने हमास के अक्सा टेलीविजन पर दिखाए गए भाषण में कहा, हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि फिलिस्तीन का मुद्दा दुनिया में प्रमुख विषय बन चुका है।

फीनिक्स की तरह उठ खड़ा होगा हमास, निर्वासित नेता खालिद मेशाल का दावा

यरुशलम, एजेंसी। हमास के निर्वासित नेता खालिद मेशाल ने कहा कि इजराइल के साथ एक साल के युद्ध के दौरान भारी नुकसान के बावजूद फिलिस्तीनी समूह राख से फीनिक्स की तरह उठ खड़ा होगा और फिर से यह लड़ाकों की भर्ती और हथियारों का निर्माण करेगा. हमास के इजराइल पर हमले के एक साल बाद मेशाल ने यहूदी देश के साथ संघर्ष को 76 साल तक फैले एक नैरेटिव के रूप में पेश किया, जो फिलिस्तीनियों के नकबा कहे जाने वाले समय से शुरू होता है, जब 1948 के युद्ध के दौरान कई लोग विस्थापित हुए थे और इजराइल का निर्माण हुआ. 68 वर्षीय मेशाल ने रॉयटर्स को दिए एक इंटरव्यू में बताया, फिलिस्तीनी इतिहास चक्रों से बना है. हम ऐसे दौर से गुजरते हैं, जहां हम शहीदों (पीड़ितों) को खो देते हैं और हमारी सैन्य क्षमताओ का एक हिस्सा खत्म हो जाता, लेकिन फिर फिलिस्तीनी भावना फिर से उभर आती है।

इजराइल ने किया था मेशाल की हत्या का प्रयास : बता दें कि 1997 में इजराइल ने मेशाल की हत्या का प्रयास किया था और उन्हें जहर का इंजेक्शन दिया था. हालांकि, वह बच गए. उन्होंने कहा कि इस्लामी आतंकवादी समूह अभी भी इजराइली सैनिकों के खिलाफ घात लगाने में सक्षम है. हमास ने सोमवार की सुबह गाजा पर चार मिसाइलें भी दागीं. मेशाल ने बिना विवरण दिए कहा, हमने अपने गोला-बारूद और हथियारों का कुछ हिस्सा खो दिया है, लेकिन हमास अभी भी युवाओं की भर्ती कर रहा

है. मेशाल हमास में प्रभावशाली बने हुए हैं क्योंकि उन्होंने लगभग तीन दशकों तक इसके नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और अब उन्हें व्यापक रूप से इसके कूटनीतिक चेहरे के रूप में देखा जाता है. मध्य पूर्व के विश्लेषकों ने कहा कि उनकी टिप्पणियों का उद्देश्य यह संकेत देना है कि समूह अपने नुकसान के बावजूद लड़ेगा.

हमास अभी भी जिंदा है : इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका कार्यक्रम निदेशक जोस्ट आर हिल्टरमैन ने कहा, कुल मिलाकर मैं कहूंगा कि (हमास) अभी भी जीवित है और सक्रिय है और ... संभवतः गाजा में किसी समय वापस आएगा. उन्होंने कहा कि युद्ध समाप्त होने पर इजरायल ने गाजा के लिए कोई योजना नहीं बताई है और इससे हमास को खुद को फिर से स्थापित करने का मौका मिल सकता है, हालांकि, शायद उतनी ताकत या उसी रूप में नहीं. वहीं, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने मेशाल की टिप्पणियों पर कमेंट करने से इनकार कर दिया है. इजराइली आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास के हमले में लगभग 1,200 लोगों के मारे जाने और लगभग 250 लोगों को बंधक बनाए जाने के बाद इजराइल ने हमास के खिलाफ आक्रमण शुरू कर दिया. फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा का अधिकांश हिस्सा बर्बाद हो चुका है और हमले में लगभग 42,000 फिलिस्तीनी मारे गए हैं. इजराइल का कहना है कि हमास अब एक संगठित सैन्य संरचना के रूप में मौजूद नहीं है और यह गुरिल्ला रणनीति तक सीमित हो गया है, इजराइली अधिकारियों के अनुसार, गाजा में मारे गए फिलिस्तीनी लोगों में से कम से कम एक तिहाई, लगभग 17,000 लोग, हमास के लड़ाके हैं. गाजा में लड़ाई में लगभग 350 इजराइली सैनिक मारे गए।

आईसीसी रैंकिंग : अर्शदीप ने गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में बनाई जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।'

बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए। इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया। जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम की जीत का श्रेय गंभीर नहीं रोहित को दें: गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जीत का श्रेय कोच गौतम गंभीर को नहीं कप्तान रोहित शर्मा को दिया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले कुछ साल में आक्रामक रणनीति से उतरते हुए जीत दर्ज कर रही है। रोहित के इस निडर प्रयास से टीम की शैली बदल रही है।

गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की जीत के लिए लिए गंभीर को अधिक मान्यता देने को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये एक प्रकार की चापलूसी है। गावस्कर ने लिखा, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स और कोच मैकुलम के आने के बादद तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, वहीं हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित भी इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस रवैये को गंभीर का बताना गलत है। साथ ही कहा कि गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे। अगर कोई श्रेय दिया जाना चाहिए, तो वह केवल रोहित को है और किसी और को नहीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंग्लैंड के आक्रामक अंदाज के लिए बाजबॉल शब्द का प्रयोग हो रहा वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। इसमें बल्लेबाज आउट होने का डर नहीं रखता और खुलकर खेलता है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यशस्वी के होने से भारत को पुजारा की कम नहीं खलेगी: वॉटसन

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉटसन ने कहा है कि इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पास चेतेश्वर पुजारा जैसा बल्लेबाज नहीं है। वॉटसन के अनुसार इसके बाद भी भारतीय टीम को परेशानी नहीं होगी क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल जैसा युवा सलामी बल्लेबाज है। पुजारा के बारे में बात करते हैं, तो वह कोई गलती नहीं करते। जबकि आपने भारत के कई ऐसे बल्लेबाजों को देखा है जो काफी हद तक ऐसे ही हैं। जैसे कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी उन्होंने बहुत तेजी से रन बनाए हैं, लेकिन उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने विपक्षी टीम को अब तक बहुत कम ऐसे मौके दिए कि वे उन्हें आउट करने में सक्षम हो पाएं। मुझे लगता है कि अगर ऐसे बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया आकर आक्रामकता के साथ खेलें और खराब गेंदों पर पर बड़े स्ट्रोक लगाये तो गेंदबाजों पर दबाव आ जाएगा। पिछले कुछ समय में भारतीय टीम लगाता बेहतर हुई है। सीमित ओवरों के बाद अब टीम टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रे?ठता साबि?त कर रही है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, और उसमें पुजारा ने अहम भूमिका निभाई थी पर इस बार वह टीम में नहीं हैं। यशस्वी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आयेंगे। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ समाप्त करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। आस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा। हालांकि पुजारा की गैर हाजि?री में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता। टीम से बाहर चल रहे पुजारा ने भारत की दोनों सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे। 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी।

पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद ईशान किशन की झारखंड के कप्तान के तौर पर वापसी

रांची (एजेंसी)। । भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फरवरी में वापसी की और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले निजी तौर पर आयोजित डीवाई पाटिल टी20 कप में खेले। इससे फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राज्य प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन को लेकर बहस शुरू हो गई। घरेलू क्रिकेट से इस दौरान उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें बीसीसीआई के 2023-24 केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया। हालांकि ईशान ने घरेलू क्रिकेट में मजबूत प्रदर्शन से बीसीसीआई का ध्यान आकर्षित किया। पिछले महीने उन्होंने दलीप ट्रॉफी में भारत सी के लिए शतक जड़ा। फिर उन्होंने ईरानी कप में शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया और एकमात्र पारी में 38 रन बनाए।

अब झारखंड की 16 सदस्यीय टीम के कप्तान के रूप में वह युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। पिछले सत्र के कप्तान विराट सिंह उप कप्तान और कुमार कुशाग्र विकेटकीपर होंगे। झारखंड एलीट ग्रुप डी में गुवाहाटी में असम के खिलाफ अपना रणजी ट्रॉफी अभियान शुरू करेगा। पिछले सत्र में झारखंड ग्रुप ए में नीचे से तीसरे स्थान पर रहा था। उसने अपने सात मैचों में से दो जीते, दो हारे और तीन ड्रॉ किए। झारखंड की चयन समिति के अध्यक्ष सुब्रतो दास ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, ''ईशान एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। हमने युवा टीम चुनी है। सौरभ तिवारी, शाहबाज नदीम और वरुण आरोन सभी ने पिछले सत्र के बाद संन्यास ले लिया इसलिए हमें अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ा।

जो रूट ने एलिस्टेयर कुक का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुल्तान । इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 12,473 रन बनाकर एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया है। रूट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने दिन की शुरुआत पाकिस्तान की पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 32 रन से की और इंग्लैंड के दिग्गज कुक (12472 रन) को पीछे छोड़कर सर्वकालिक टेस्ट सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 39 रन की जरूरत थी। उन्होंने आगे बढ़कर एक शानदार ऑन-ड्राइव खेला जो तेजी से बाउंड्री तक पहुंचा और रिकॉर्ड बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों की सूची में रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक जड़कर कुक को पीछे छोड़ दिया था। इस तरह वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए थे।

विराट को आदर्श मानते हैं नित्या पंड्या

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाने वाले भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी नित्या पंड्या अपना आदर्श विराट कोहली को मानते हैं। नित्या के अनुसार विराट की तरह स्लेज करो और किंग की तरह बल्लेबाजी करो। नित्या ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाये थे। नित्या की इस पारी से ही भारतीय अंडर-19 टीम ने मैच के पहले दिन ही 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। नित्या ने इससे पहले यूथ टेस्ट मैच में 9 और 51 रन बनाये थे। नित्या के कोच दिग्विजय ने कहा, 'वह अपना स्वाभाविक खेल खेलता है और दबाव में नहीं आता।' वह शुरू से ही विराट से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा, 'मैदान पर लगातार बातें करना या स्लेज करना उसने कोहली को देखकर ही सीखा है। वह कोहली की तरह बनना चाहता है। कोहली के जैसे शॉट खेलना, आक्रामक रहना उसे सबसे अधिक पसंद है। इसलिए अगर वह मैदान पर शांत है तो समझ लीजिए कि उसके दिमाग में कुछ चल रहा होगा।'

युवराज ने की अभिषेक की खिंचाई, दिमाग का सही इस्तेमाल करें

ग्वालियर । युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। अभिषेक 7 गेंदों पर 16 रन बनाकर रन आउट हो गए। इससे वह बेहद निराश नजर आये। अभिषेक ने सोशल मीडिया में पोस्ट साझा कर लिखा, हर रन, हर गेंद-यह सब टीम के लिए है। इसी को लेकर पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी उनकी खिंचाई की है। युवराज ने लिखा कि हमें दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिये। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही अभिषेक ने अपना पहला टी20 शतक लगाया था। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में अभिषेक ने शतक के बाद युवराज सिंह के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब वह शून्य पर आउट हुए थे तो युवराज बहुत खुश थे। उन्होंने कहा था, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरे परिवार की तरह ही मुझ पर बहुत गर्व होना चाहिए। युवराज और अभिषेक के बीच का रिश्ता काफी गहरा है। ये ऐसा ही है जो एक पूर्व और एक मौजूदा भारतीय क्रिकेटर के बीच होता है। अभिषेक ने एक वीडियो में कहा था, मैं उनकी वजह से इस स्तर पर खेल रहा हूं। उन्होंने मुझ पर बहुत मेहनत की है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाकिस्तान में नहीं दुबई में होगा ! भारत के हिसाब से बदलेगा वेन्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है।

वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है। टेलीग्राफ यूके कि रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से दुबई कराया जा सकता है।

ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से कुछ दिन पहले तक आयोजन वेन्यू को लेकर सस्पेंस बना रहेगा। भारत अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेलेगा क्योंकि कथित तौर पर पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण बीसीसीआई टीम भेजने को तैयार नहीं है।

अभी तेज गेंदबाजी से अधिक निरंतरता पर ध्यान दे रहे मयंक यादव

ग्वालियर । युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जरूरी है। इसलिए वह अभी उसी पर ध्यान दे रहे हैं हालांकि गेंद की गति भी हमेशा से ही उनके दिमाग में रही है। मयंक ने चोट से वापसी के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले ही टी 20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि तेज गति से वह प्रभावित रहे हैं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिटनेस बनाये रखने के लिए अभी वह सिर्फ निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं। इस साल आईपीएल में 150 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की गति से गेंदबाजी कर रिकार्ड बनाने वाले इस गेंदबाज ने अपनी गति से बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। उनका पहला ओवर मेडन रहा। उन्होंने अपने चार ओवर 14 डॉट गेंद डाली और 21 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मयंक ने कहा, 'मैं डेब्यू को लेकर उत्साहित था पर थोड़ा घबराया भी हुआ था। इसका कारण है कि पिछले कुछ समय में मुझे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के अधिक अवसर नहीं मिले थे और अचानक ही मुझे भारतीय टीम से बुलावा आ गया। मुझे मौका मिला। मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण कर रहा था इसलिए थोड़ा घबराया हुआ था। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए लगातार दो मैचों में मैन ऑफ द मैच रहे मयंक को पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा था। मयंक जानते है कि उन्हें पहचान तेज गेंदबाजी से मिली है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मे बने रहने के लिए वह लाइन व लेंथ में निरंतरता जरूरी मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी गति हमेशा मेरे दिमाग में रहती है पर अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान मैंने सीखा है कि इस प्रारूप में और खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता सबसे अहम है। इस गेंदबाज ने कहा, 'लाइन और लेंथ महत्वपूर्ण हैं। लगातार सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करने से वास्तव में मदद मिलती है क्योंकि बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाते हैं। मैं अपनी लाइन और लेंथ को सटीक रखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मयंक ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने के दौरान पिछले चार महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने कहा, 'मेरी चोट के दौरान का समय वास्तव में कठिन था क्योंकि पिछले चार महीनों में मुझे कई चरणों से गुजरना पड़ा, उतार-चढ़ाव देखना पड़ा। आईपीएल के दौरान उन्होंने लेंथ और अत्यधिक गति पर ध्यान केंद्रित किया लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ इस गेंदबाज ने धीमी गेंदों को भी फेंका। उन्होंने कहा, 'मैंने आईपीएल के दौरान धीमी गेंदों का अधिक उपयोग नहीं किया क्योंकि उनकी वास्तव में आवश्यकता नहीं थी। साथ ही कहा कि पिच से अगर मदद मिले तो मैं ज्यादा विविधता पर ध्यान नहीं देता हूं।

एशियाई टेटे चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पक्का कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला।

पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने कजाखस्तान के शीर्ष रैंकिंग के विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगलियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभवी शरत कमल ने तीसरे मैच में ऐडोस केंजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमेंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीतने के बाद पांचवें गेम में 6-1 की बढ़त बनाई।

गेरासिमेंको ने वापसी की कोशिश की लेकिन हरमीत ने पांचवां और निर्णायक गेम जीतकर भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाई। भारत की पुरुष टीम ने 2023 और 2021 में पिछले दो सत्र में कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस जीत के साथ एशियाई चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा। इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहां कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अयहिका मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गई। वहीं मनिका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीर्था मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। दी। मिमा ने इसके बाद मनिका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

संन्यास के आपके फैसले से हैरान हूं : खेलमंत्री मांडविया ने जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली = खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखकर खेल से संन्यास लेने के उनके फैसले पर हैरानी जताई। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनी दीपा रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने सोमवार को खेल को अलविदा कह दिया।

मांडविया ने दीपा को लिखे पत्र में कहा, 'मुझे पता चला कि आपने जिम्नास्टिक से संन्यास ले लिया है। आपके फैसले पर मैं आश्चर्यचकित हूं लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जीवन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया होगा। मैं आपके इस निर्णय का पूर्ण सम्मान करता हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी जिम्नास्टिक की यात्रा जो मात्र छह वर्ष की आयु से प्रारंभ हुई, अत्यंत ही प्रेरणादायक रही। आपने इस खेल में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए सफलता के उच्च शिखरों को छुआ और देश को गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होना आपके अद्वितीय योगदान का प्रमाण है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'आपका ओलंपिक में हिस्सा लेकर भारतीय जिम्नास्टिक्स में एक नया अध्याय जोड़ना और इस खेल में भाग लेने वाली प्रथम भारतीय महिला बनना न केवल आपके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम बल्कि पूरे देश के लिये गर्व का विषय है। विशेष रूप से प्रोडुनोवा वॉल्ट में आपका प्रदर्शन अद्वितीय रहा है। आपकी उपलब्धियों ने न केवल खेलप्रेमियों को प्रेरित किया है बल्कि विशेष रूप से हमारी बेटियों को भी खेलों में अपने सपनों को साकार करने का साहस प्रदान किया है।'

उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के वह ऐतिहासिक क्षण जब आप मात्र 0.15 अंकों से पदक से चूक गई, फिर भी आपने अपने धैर्य और समर्पण से पूरे राष्ट्र का दिल जीत लिया।' मांडविया ने लिखा, 'आपकी यह यात्रा देश के लिए अनमोल धरोहर है और मैं आशा करता हूं कि आप अपनी इस अद्वितीय प्रतिभा और अनुभव को आने वाली पीढ़ी के साथ साझा करेंगी।'

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हेड को सलामी बल्लेबाज के तौर पर न भेजें : इयान चैपल

सिडनी । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर दिग्गज क्रिकेटरों की बयानबाजी जारी है। इसी कड़ी में आज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि इस सीरीज में ट्रेविस हेड को पारी की शुरुआत के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। चैपल ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को सुझाव दिया है कि वह इस प्रकार की गलती नहीं करे। चैपल का मानना है कि हेड एकदिवसीय और टी20 में एक जबरदस्त सलामी बल्लेबाज हैं पर टेस्ट क्रिकेट इससे अलग है और उन्हें इसका कम ही अनुभव है। गौरतलब है कि डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया को उनकी जगह पर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अभी तक कोई अच्छा बल्लेबाज नहीं मिल पाया है। इस कारण स्टीवन स्मिथ और हेड पारी की शुरुआत कर रहे हैं। स्मिथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर अब तक सफल नहीं हुए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनका औसत 30 से भी कम रहा है, जबकि नंबर तीन और चार पर वे 60 से ज्यादा के औसत से खेलते रहे हैं।

नेचर फ़ार्म सहित चार नवीन अवैध कॉलोनियों पर आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में चला पीला पंजा

उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा कैलाश चन्द विश्नोई के उचित प्रबंधन एवं निर्देशन में जेडीए ने जोन 12 में करी प्रभावी कार्रवाई

निजी खातेदारी करीब 29 बीघा कृषि भूमि पर 04 नवीन अवैध कॉलोनियां का प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्तीकरण

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 11.10.2024 को जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मानसिंहपुरा बेगस रोड बगरू, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''नेचर फार्म'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सीमेंट के ब्लॉक की सड़कें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल, लोहे का गेट व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम मानसिंहपुरा, दहमीकला, जिला जयपुर में करीब 10 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सीमेंट के ब्लॉक की सड़कें, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल, व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया।

जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित मनीपाल यूनीवर्सिटी के पास दहमी कला, जिला जयपुर में करीब 06 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, सीमेंट के ब्लॉक, प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए केध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित मनीपाल यूनीवर्सिटी के पास गुर्जरों की ढाणी, जिला जयपुर में करीब 05 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए केध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।उप महानिरीक्षक पुलिस जविप्रा जयपुर कैलाश चन्द बिश्नोई ने समस्त नागरिकों से अपील है कि प्रवर्तन संबंधित शिकायतों को हेल्पलाईन नं. 0141 2565800, 0141 2575252, 0141 2575151 पर 24×7 सम्पर्क कर अवैध अतिक्रमणों के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे।

जालौर जिले में थाना बिशनगढ़ पुलिस की कार्रवाई

चमकता राजस्थान

- **बालवाड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं दी-सेन्ट्रल कॉ-ऑपरेटिव बैंक शाखा सायला में गबन का मामला**
- **करीब 05 करोड़ के गबन के मामले में तत्कालीन व्यवस्थापक एवं सह व्यवस्थापक गिरफ्तार**

जयपुर /जालौर!(खलील कुरैशी) 11 अक्टूबर। जालौर जिले की बिशनगढ़ थाना पुलिस की टीम द्वारा बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति एवं इससे सम्बंधित बैंक दी-जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव बैंक शाखा सायला में करोड़ों रूपयों के गबन के मामले में बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालीन व्यवस्थापक एवं दी जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव बैंक शाखा सायला के ऋण पर्यवेक्षक आशाराम मेघवाल पुत्र किस्तूरा राम (49) निवासी आसाणा थाना सायला एवं बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालीन सहायक व्यवस्थापक चम्पा लाल जीनगर पुत्र गवरा राम (37) निवासी बलवाड़ा थाना बिशनगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ज्ञान चन्द्र यादव ने बताया कि 02 अक्टूबर 2022 को दी जालौर सेण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, जालौर के वरिष्ठ प्रबन्धक भूराराम पुंछल ने रिपोर्ट दी कि ग्राम सेवा सहकारी समिति के अधीन आने वाले किसानों को फसल चक्र अनुसार ऋण साख-सीमा का निर्धारण कर साख-सीमा समिति स्तर से स्वीकृति कर हल्का अधिकारी के माध्यम से बैंक की सम्बन्धित शाखा से ऋण स्वीकृत किया जाता है। इसी तरह बालवाड़ा, केशवना, ऐलाना, बिशनगढ, मांडवला की ग्राम सेवा सहकारी समितियों द्वारा भी किसानो की साख सीमा निर्धारण कर ऋण स्वीकृत किया जाता था।इसमें से बालवाड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति के व्यवस्थापक, सहायक व्यवस्थापक तथा इन सोसायटियों से सम्बंधित बैंक दी-जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव सोसायटी के शाखा प्रबंधक, कैशियर आदि द्वारा बिना साख सीमा निर्धारण किये, तथा भूमि को कम या अधिक करके, लोन भरने के बाद भी बिना किसान की जानकारी के लोन रिपीट कर, बिना आवेदन ही लोन स्वीकृती दे करोड़ों रूपयो के गबन किया है उसके बाद राज्य सरकार की ऋण माफी योजना राजस्थान सहकारी फसली ऋण माफी योजना- 2018 एवं राजस्थान कृषक ऋण माफी योजना- 2019 के तहत अपात्र व्यक्तियों को ऋण माफ कर राज्य सरकार को करोड़ों रूपयों की वित्तीय हानि पहुँचाई है। रिपोर्ट पर थाना बिशनगढ पर प्रकरण संख्या दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। एसपी यादव ने बताया कि जिले में अपराध की रोकथाम, सम्पति सम्बंधी अपराधों में अपराधियों की धरपकड़ एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटा राम गोदारा व सीओ गौतमकुमार जैन के सुपरविजन एवं एसएचओ पन्ना लाल उपनिरीक्षक के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अनुसंधान उपरांत ग्राम सेवा बालवाड़ा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालिन व्यवस्थापक एवं दी जालौर सेन्ट्रल कॉ-आपरेटिव बैंक शाखा सायला के ऋण पर्यवेक्षक आशा राम मेघवाल एवं बालवाडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के तत्कालीन सहायक व्यवस्थापक चम्पालाल जीनगर द्वारा उसके सहयोगियो के साथ मिलकर करीबन 5 करोड़ रुरुपये का गबन करना पाया जाने से इन दोनों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया इनमें से आरोपी आशा राम मेघवाल के विरूद्ध थाना सायला एवं थाना कोतवाली जालौर में भी गबन के 02 अलग-अलग प्रकरण पंजीबद्ध है। प्रकरण में अन्य कथित आरोपियों की भूमिका के सम्बंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

मशहूर आर्ट शो 'रंग प्रसंग' के तहत पेंटिंग एग्जीबिशन में दिखे जीवन के विभिन्न रंग

चमकता राजस्थान। जयपुर/नई दिल्ली (खलील कुरैशी): विनय मार्ग स्थित सिविल सर्विसेज ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में देश के चार प्रसिद्ध कलाकारों का आर्ट शो ₹रंग प्रसंग₹ का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन प्रसिद्ध पेंटर अमित दत्ता, रेलवे बोर्ड के सदस्य रविंद्र गोयल, रेलवे बोर्ड की सचिव अरुणा नायर, और रेलवे बोर्ड की पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी जया वर्मा सिन्हा ने किया। ₹रंग प्रसंग₹ आर्ट शो में भारतीय रेलवे यातायात सेवा के वरिष्ठ अधिकारी मुकुल शरण माथुर, आशिमा मेहरोत्रा, तथा वरिष्ठ अधिवक्ता एम. शारदा की पेंटिंग्स, और भारतीय रेल यातायात सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विक्रम सिंह के बोंसाई आर्ट का प्रदर्शन किया गया है। ₹रंग प्रसंग₹ 11 अक्टूबर से 8 नवंबर तक लोगों के लिए खुला रहेगा। यहां विभिन्न कलाकारों की पेंटिंग्स को खरीदा भी जा सकता है।₹रंग प्रसंग₹ आर्ट शो में आशिमा मेहरोत्रा की पेंटिंग्स–हीलिंग, सुर्ख, जर्द और ब्लू सत्वा–को लोगों ने खूब पसंद किया। समुद्र तट श्रृंखला की पेंटिंग्स भी दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रहीं। मुकुल शरण माथुर की पेंटिंग्स में बुर्ज, कुंभ, और कलरफुल स्ट्रीट ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। एम. शारदा की हार्मनी, तरंग, उमंग, स्मोक, और रिफ्लेक्शंस जैसी तस्वीरों में जीवन के विभिन्न रंग दिखे, जिसे लोगों ने सराहा।विक्रम सिंह के बोंसाई कला ने एग्जीबिशन को एक नया रंग दिया। यह एक नए प्रयोग की तरह भी रहा।

'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान जारी

- **कई प्रतिष्ठानों के सैंपल जांच के लिए भिजवाए**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 11 अक्टूबर।

राज्य सरकार द्वारा जारी ₹शुद्ध आहार-मिलावट पर वार₹ अभियान के अंतर्गत जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देश पर दीपावली के त्योहार पर मिलावट को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के लिये गठित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम द्वारा आज दिनांक 11 अक्टूबर 2024 को श्री राधे नमकीन भंडार बनी पार्क से यूज्ड कुकिंग ऑयल का एक और मैदा का एक तथा गणेश नमकीन भंडार से बेसन का एक नमूना तथा दूध मिष्ठान भंडार शास्त्री नगर से मावा मिठाई का एक नमूना तथा श्याम स्टोर बनी पार्क से एक घी का नमूना एक बादाम का नमूना और एक दाल के खाद्य नमूने लिये।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय की टीम द्वारा सीतापुर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित विनोद फ्रेशनर्स से शुगर कोटेड सौंफ का एक नमूना यूनिवर्सल ट्रेडिंग कंपनी से मिर्च पाउडर हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर के एक-एक नमूने तथा विजय प्रोविजन स्टोर सत्कार शॉपिंग सेंटर मालवीय नगर से दलिया का एक नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत जांच हेतु लिये, इन सभी खाद्य नमूनों को जांच हेतु प्रयोगशाला भिजवाया जायेगा एवं जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाई की जायेगीइस दौरान सभी को साफ सफाई रखन एवं हाइजीन मेंटेन करने के निर्देश दिए गए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रतन गोदारा नरेश कुमार चेजारा,नरेंद्र शर्मा और पवन गुप्ता तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी, रमेश चंद्र यादव एवं नंदकिशोर कुमावत शामिल रहे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की भीलवाड़ा जिले में कार्रवाई

तस्करों से मुठभेड़ के बाद एक स्कॉर्पियो से जब्त किया 60 लाख रुपए कीमत का 3 क्विंटल 92 किलो अवैध डोडा चूरा

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 11 अक्टूबर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने भीलवाड़ा जिले के कारोई थाना क्षेत्र में स्थानीय पुलिस के सहयोग से गांव गुरलां के पास नाकाबंदी में गुरुवार-शुक्रवार की रात तस्करों से मुठभेड़ के बाद एक स्कार्पियो गाड़ी से 3 क्विंटल 92 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 60 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुए बदमाशों की तलाश के लिए रात से ही प्रयास किये जा रहे हैं।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि गैंगस्टर, मादक पदार्थ, शराब एवं हथियार तस्करों व वांछित अपराधियों की धरपकड़ एवं उनके बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिए एजीटीएफ की टीम पारंपरिक एवं नवीन तकनीकी पुलिसिंग के आधार पर लगातार प्रयास कर रही है।एडीजी एमएन ने बताया कि इसी क्रम में उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के सुपरविजन एवं पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित की गई टीम में भीलवाड़ा जिले से अटैच सदस्यों कांस्टेबल विजय सिंह व गोपाल धाबाई को सूचना मिली कि एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में तस्कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे हैं।सूचना को एजीटीएफ टीम द्वारा विकसित किया गया तो जानकारी हासिल हुई तस्कर मादक पदार्थ से लोड स्कॉर्पियो लेकर थाना कारोई इलाके के गाडरमाला होते हुए गुरलां के रास्ते से जाएंगे। सूचना पर स्थानीय पुलिस के सहयोग से उक्त रास्ते के घुमावदार मोड़ पर नाकाबंदी की गई। रात करीब 11:45 बजे गुजरात पासिंग स्कॉर्पियो गाड़ी आती हुई दिखाई दी, जिसमें दो व्यक्ति बैठे हुए थे।पुलिस टीम को देख स्कॉर्पियो के चालक ने अचानक गाड़ी की स्पीड तेज कर दी। गाड़ी की स्पीड तेज देख पुलिस ने रोड़ पर स्टॉप स्टिक बिछा चालक को रोकने का इशारा किया। इतने में स्कार्पियो चालक ने पुलिस टीम के ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया और नाकाबंदी तोड़ गाड़ी भागने लगा। स्टॉप स्टिक की वजह से स्कॉर्पियो का अगला दाहिना टायर ब्रस्ट हो गया।दोनों टीमो ने जब गाड़ी की घेराबंदी करना चाहा तो स्कॉर्पियो की खलासी साइड से एक व्यक्ति नीचे उतरा। जिसने उतरते ही फायर आर्म्स से पुलिस टीम पर फायरिंग चालू कर दी। जवाबी कार्रवाई में थाना पुलिस द्वारा साथ लाये गए पंप एक्शन गन से दो राउंड फायर किये। पुलिस को जवाबी कार्रवाई करता देख दोनों बदमाश वापस गाड़ी में बैठ गए और गाड़ी भगाने लगे। टीम ने पीछा किया तो गांव सोपुरा के पास बदमाश स्कॉर्पियो को चालू हालत में छोड़कर खेतों की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने रात के अंधेरे में बदमाशों की काफी तलाश की, लेकिन अंधेरा और खेतों का फायदा लेकर दोनों बदमाश फरार हो गए। गाड़ी की तलाशी ली गई तो ड्राइवर व खलासी की सीट के पीछे की तरफ प्लास्टिक के कुल 22 काले व सफेद कट्टे रखे हुए थे। सभी कट्टों में कुल 392 किलो 51 ग्राम अवैध डोडा चूरा मिला। अवैध मादक पदार्थ पर डोडा चूरा व स्कार्पियो जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। फरार दोनों बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस की टीम रात से ही लगातार प्रयास कर रही है इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम के कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह की इस कार्रवाई में विशेष भूमिका तथा एएसआई बनवारी लाल, हैड कांस्टेबल रामनिवास, हेमंत शर्मा राकेश जाखड़, कांस्टेबल भूपेंद्र शर्मा, गंगाराम, देवेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार और कांस्टेबल चालक दिनेश कुमार तथा कारोई थाना अधिकारी लक्ष्मीनारायण मय टीम का सराहनीय योगदान रहा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929